शनिवार
07 अक्टूबर 2023

पृष्ठ 4

डिप्रेशन में दूध पीना कितना फायदेमंद

पृष्ठ 5

साउथ में डेब्यू के लिए तैयार हैं रवीना टंडन की बेटी राशा थडानी

● देहरादून
● वर्ष 31
● अंक 239
● पृष्ठ 8
● मूल्य ₹ 1.00

आज का विचार

पाषाण के भीतर भी मधुर स्रोत होते हैं, उसमें मदिरा नहीं शीतल जल की धारा बहती है।
– जयशंकर प्रसाद

दून वैली मेल

सांध्य दैनिक
आर.एन.आई.- 59626/94
email: doonvalley_news@yahoo.com Website: dunvalleymail.com
डीएवीपी से मान्यता प्राप्त

- एसटीएफ की बड़ी कार्यवाही -

अवैध हथियारों का बड़ा नेटवर्क ध्वस्त, एक गिरफ्तार

हमारे संवाददाता

देहरादून। अवैध हथियारों के बड़े नेटवर्क को ध्वस्त करते हुए एसटीएफ व जिला पुलिस द्वारा एक बड़े हथियार तस्कर को गिरफ्तार कर लिया गया है। जिसके कब्जे से भारी मात्रा में अवैध हथियार बरामद किये गये है। आरोपी शातिर किस्म का हथियार तस्कर है जो लगातार बीस वर्षो से अवैध हथियारों के कारोबार से जुडा हुआ है। साथ ही जिसके द्वारा बनाये गये हथियार उत्तरखण्ड सहित कई अन्य राज्यों में सप्लाई किये जाते रहे है तथा जो पहले पांच वर्ष पूर्व भी कई बने व अधबने हथियारों की खेप सहित गिरफ्तार किया जा चुका है।

वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक एसटीएफ आयुष अग्रवाल द्वारा बताया गया कि बीती शाम एक पुख्ता सूचना के बाद एसटीएफ व थाना गदरपुर की पुलिस द्वारा एक ज्वांइट ऑप्रेशन करते हुए

❑भारी मात्रा में अवैध हथियार बरामद

गदरपुर क्षेत्रान्तर्गत ग्राम खुशहालपुर के एक घर से भारी मात्रा में अवैध असलाह सहित एक हथियार तस्कर वचन सिंह पुत्र हजुर सिंह निवासी ग्राम खुशहालपुर थाना गदरपुर को गिरफ्तार किया गया है।

बताया कि गिरफ्तार तस्कर तस्कर वचन सिंह जो कि अवैध हथियारों को बनाने तथा मरम्मत का कार्य भी करता है पिछले करीब 20 वर्षों से अवैध हथियारों के काले कारोबार में लगा हुआ था। जिसकी सूचना एसटीएफ को मिली थी तब से एसटीएफ की एक टीम उसके ठिकानों में नजर रख रही थी। कल टीम को गोपनीय इनपुट मिला था कि वचन सिंह के घर में हथियारों की बड़ी खेप आयी है जिसपर टीम द्वारा उसके घर को चारों तरफ से घेरकर रेड की गयी तो घर के अन्दर से भारी मात्रा में अवैध हथियार बरामद हुए तथा घर में मौजूद वचन सिंह को गिरफ्तार किया गया।

गिरफ्तार आरोपी ने पूछताछ में बताया कि वह वर्ष 2003 से हथियारों की तस्करी कर रहा है वह उ.प्र. , उत्तराखण्ड, हरियाणा और पंजाब आदि राज्यों में हथियारों की सप्लाई करता आ रहा है, वह और उसके साथी कलकत्ती जंगल में जो कि उ.प्र. में स्थित हैं वहाँ असलाहों को बनाते आ रहे हैं। उनके बनाये असलाह की उ.प्र. में बहुत डिमांड है। बताया कि हमारे द्वारा अब तक करीब 1000 अवैध बन्दूकों व तंमचों की तस्करी उ.प्र. व उससे लगे राज्यों में की जा चुकी है।

◀◀ शेष पृष्ठ 7 पर

गृहमंत्री अमित शाह की अध्यक्षता में मध्य क्षेत्रीय परिषद की बैठक शुरू

❑योगी आदित्यनाथ भी पहुचे तीन दिवसीय दौरे पर उत्तराखण्ड

हमारे संवाददाता

टिहरी। उत्तराखंड के टिहरी जिले के नरेंद्र नगर में मध्य क्षेत्रीय परिषद की बैठक शुरू हो गई। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह की अध्यक्षता में बैठक आयोजित की गई। जिसमें उत्तर प्रदेश के सीएम योगी आदित्यनाथ, उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी शामिल हुए हैं। वहीं मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान और छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ऑनलाइन माध्यम से जुड़े हैं।

मध्य क्षेत्रीय परिषद की यह 24वीं बैठक है। बैठक में उत्तराखंड, उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री के अलावा इन चारों राज्यों के दो-दो मंत्री और केंद्र और राज्य सरकार के अधिकारी भाग ले रहे हैं। बैठक में उत्तराखंड की ओर से दून वैली इको जोन का नोटिफिकेशन रद्द करने और सीमांत क्षेत्र से पलायन और इसके निदान के एजेंडे को चर्चा के लिए रखा जाएगा। केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह की अध्यक्षता में हो रही मध्य क्षेत्रीय परिषद की बैठक में कई अहम मुद्दों पर चर्चा हो रही है।

वहीं उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ तीन दिवसीय दौरे पर उत्तराखंड पहुंचे हैं। मध्य क्षेत्रीय परिषद की बैठक में शामिल होने के बाद वह शाम को ही केदारनाथ धाम जाएंगे। वहीं आठ अक्टूबर को बदरीनाथ धाम के दर्शन करने के बाद वह वापस लखनऊ लौट जाएंगे।

कनाडा में विमान हादसा, भारत के 2 ट्रेनी पायलट समेत 3 लोगों की मौत

नई दिल्ली। कनाडा के ब्रिटिश कोलंबिया प्रांत में शनिवार को एक विमान दुर्घटना में दो भारतीय ट्रेनी पायलटों की मौत हो गई है। दोनों ट्रेनी पायलट मुंबई के रहने वाले थे। इनके नाम अभय गडरू और यश विजय रामुगडे था। जानकारी के मुताबिक, ये हादसा ब्रिटिश कोलंबिया प्रांत में वैंकूवर से करीब 100 किलोमीटर दूर ईस्ट इलाके में हुआ है। वहां चिलिवैक में छोटा विमान हवाई अड्डे के पास एक मोटल के पीछे दुर्घटनाग्रस्त हो गया, जिससे दो ट्रेनी पायलट और उसमें सवार एक अन्य की मौत हो गई। हालांकि, अभी यह साफ नहीं हो सका है कि हादसा कैसे हुआ? कनाडाई पुलिस अधिकारियों ने बताया कि दो इंजन वाला हल्का विमान पाइपर पीए-34 सेनेका पेड़ों और झाड़ियों से टकराकर दुर्घटनाग्रस्त हुआ है। कनाडा के परिवहन सुरक्षा बोर्ड ने कहा, वो मौके पर जांच टीम भेज रहा है। घटना के कारण का जल्द पता लगाया जाएगा। कनाडा के अधिकारियों का कहना है कि घटनास्थल पर पांच एम्बुलेंस और एक टीम पहुंची है। स्थिति नियंत्रण में है। क्षेत्र में किसी के घायल होने या खतरे की सूचना नहीं है।

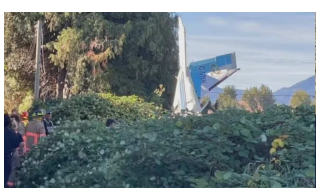

हमास ने इजरायल पर दागे 5000 से अधिक रॉकेट!

नई दिल्ली। गाजा पट्टी में फिलिस्तीनी आतंकवादियों ने शनिवार तड़के इजराइल की ओर दर्जनों रॉकेट दागे हैं, जिससे इजराइल थर्रा गया है। इजराइली मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, गाजा में हवा में रॉकेटों की आवाजें सुनी जा सकती हैं और सुबह-सुबह बैराज के दौरान सायरन की आवाज उत्तर में लगभग 70 किलोमीटर (40 मील) दूर तेल अवीव तक सुनी गई है। माना जा रहा है, कि रॉकेट हमले के बाद इजराइल जवाबी कार्रवाई कर सकता है और भीषण हमला किए जाने की आशंका जताई जा रही है, जैसा हमेशा इजराइल, हमला होने के बाद करता है।

हमास के उग्रवादियों ने इजरायल पर 5000 से अधिक रॉकेट दागने का दावा किया है। वहीं इजराइली सेना का

कहना है कि वह गाजा पट्टी में कुछ ठिकानों को निशाना बनाकर पर हमला कर रही है। आतंकवादी समूह हमास द्वारा इजराइल के खिलाफ एक नये सैन्य अभियान की घोषणा करने के बाद यरूशलम में हवाई हमले के लिए सतर्क करने वाले सायरन बज रहे हैं। इजराइल द्वारा रॉकेट-रोधी प्रणाली तैनात किए जाने के बाद कम से कम तीन विस्फोट की आवाज सुनी गई। इससे पहले, हमास की सैन्य शाखा के एक नेता ने दावा किया कि उसने नये सैन्य अभियान के तहत इजराइल में 5,000 से अधिक रॉकेट दागे हैं।

गाजा पट्टी में उग्रवादियों द्वारा रॉकेट दागे जाने के बाद एक बार जंग के आसार बनते दिखाई दे रहे हैं। गाजा पट्टी के आकाश में इजराइल की तरफ दागे जाने वाले रॉकेट की आवाजें गूंजी, जबकि इजराइल में हवाई हमले के प्रति अलर्ट करने वाले सायरन की ध्वनि लगभग 70 किलोमीटर दूर उत्तर में देश की आर्थिक एवं सांस्कृतिक राजधानी तेल अवीव में भी सुनाई दी। इजराइल की श्मैगन डेविड एडोमश बचाव एजेंसी ने बताया कि दक्षिणी इजराइल में एक इमारत से रॉकेट टकराने से 70 वर्षीय महिला गंभीर रूप से घायल हो गई।

दून वैली मेल

संपादकीय

अंकिता को न्याय की लड़ाई

अंकिता भण्डारी हत्याकांड को प्रकाश में आये एक साल से अधिक का समय बीत चुका है। लेकिन इस हत्याकांड को लेकर सुलग रही जनाक्रोश की आग अभी ठंडी नहीं पड़ी है। इस हत्याकांड ने पहाड़ के जनमानस और राजनीति को इस कदर झकझोर दिया है कि एक साल से अधिक समय बीत जाने पर भी यह खबर अखबारों की सुखियों में बनी रहती है। कल इस मामले में अंकिता के दोस्त और इस केस के अहम गवाह जम्मू निवासी पुष्पदीप से बचाव पक्ष द्वारा जिरह की गयी जो आज शनिवार को भी जारी रहेगी। अंकिता हत्याकांड मामले में जारी इस लड़ाई में राजधानी देहरादून सहित पूरे राज्य में जनाक्रोश कायम है जो कम होने का नाम नहीं ले रहा है। मुख्य विपक्षी पार्टी कांग्रेस तो कई बार इसकी विधिवत जांच सीबीआई से कराने की मांग कर चुकी है। कांग्रेस सहित आमजन का कहना है कि इस मामले में प्रकाश में आये कथित वीआईपी को बचाने के लिए साक्ष्यों व परिस्थितियों को बदला गया है। जिसे स्पेशल सर्विस देने के लिए पहाड़ की बेटी पर दबाव बनाया जा रहा था। पूर्व सीएम हरीश रावत तो शुरू से ही उस वीआईपी के नाम के खुलासे की मांग करते रहे है जिसके साथ बाउंसर आते थे। खास बात यह है कि इस मामले में तीन महीनों की जांच के बाद भी एसआईटी हत्या करने के पुख्ता कारण को तलाश नहीं सकी है। उसकी चार्जशीट में भी हत्या के कारण के सवाल पर उसकी सुई स्पेशल सर्विस के दबाव में आकर ही टिकी हुई है। अंकिता भंडारी के दोस्त पुष्पदीप के साथ उसकी मोबाइल चैट जिसमें उसने रिजार्ट में गलत काम होने और खुद पर गलत काम करने के लिए दबाव बनाने की बात कही है, को ही हत्या का प्रमुख कारण माना गया है। इसमें कोई संदेह नहीं है कि अंकिता जहां काम करती थी उस रिजार्ट में कुछ तो गलत हो रहा था। जिसकी जानकारी अंकिता को हो चुकी थी। आरोपियों को अंकिता से इस बात का भी खतरा था कि वह उनके काले कारनामों का पर्दाफाश भी कर सकती है। खैर अब इस मामले में एसआईटी द्वारा बनाये गये गवाहों की गवाही हो रही है। लेकिन हैरत की बात यह है कि अभी तक पूरी जांच के बावजूद जिस वीआईपी को स्पेशल सर्विस देने के लिए अंकिता पर दबाव की बात कही जा रही है उसका कहीं अता पता नहीं है।

अंधाधुंध फायरिंग में दो युवकों को लगी गोली

नालंदा। जिले के दीपनगर थाना इलाके के देवीसराय मोहल्ला में शुक्रवार को बदमाशों ने अचानक अंधाधुंध फायरिंग शुरू कर दी। इससे भगदड़ मच गई। इस दौरान दो युवक को भागने के दौरान पैर में गोली लग गई। गोली लगने से दोनों घायलों की पहचान देवीसराय निवासी लल्लू पासवान और मोहन पासवान शामिल के रूप में हुई है। वहीं, सूचना मिलने के बाद पुलिस की टीम घटनस्थल पर पहुंची और गोली चलाने वाले बदमाश की तलाश में जुट गई। बताया जाता है कि सर्कस देखने के दौरान कुछ युवकों में विवाद हो गया फिर आपस में लोग भिड़ गए। वहीं, कुछ युवक पिस्टल लेकर आए और अंधाधुंध फायरिंग शुरू कर दी।

भगदड़ के दौरान दो युवकों को गोली लग गई, जिससे दोनों युवक जमीन पर गिर गए। दोनों युवकों को लोगों ने इलाज के लिए सदर अस्पताल में भर्ती कराया। प्राथमिक उपचार के बाद यहां से रेफर कर दिया गया। स्थानीय लोगों ने बताया कि मोहल्ले में कुछ दिनों से साइकिल से करतब दिखाने का सर्कस लगा है। सर्कस देखने के दौरान कुछ लोगों के बीच आपस में विवाद हो गया। इसके बाद बदमाशों ने फायरिंग की। इससे मौके पर भगदड़ मच गई। वहीं, दीपनगर थानाध्यक्ष सुनील कुमार जायसवाल ने बताया कि गोली लगने की सूचना मिलने के बाद थाना की गश्ती पुलिस को मौके पर भेजा गया था। दो युवकों को गोली लगी है। जख्मी के परिजन निजी क्लीनिक में इलाज करा रहे हैं। पुलिस की पूछताछ में पता चला कि सर्कस लगा हुआ था। उसी को देखने को लेकर कुछ युवकों में विवाद हो गया था। फिलहाल जख्मी के परिजन अभी कुछ भी नहीं बता रहे हैं। पुलिस मामले की जांच में जुटी हुई है।

एष देवो रथर्यति पवमानो दशस्यति।
आविष्कृणोति वग्वनुम्॥

(ऋग्वेद ९-३-५)

परमेश्वर की दिव्यता एक रथ के समान आगे बढ़ती जाती है और सबको पवित्र करती जाती है। वह सब लोगों को आत्मिक, शारीरिक और लौकिक पवित्रता प्रदान करती है।

सर्विस ट्रिब्युनल ने निरस्त किये एसएसपी व आईजी के आदेश

❑कांस्टेबल के विरुद्ध सम्बन्धित जांच को भी माना द्वेष पूर्ण व गलत
❑कांस्टेबल पर जंगली जानवर का मांस व अपराधी छोड़ने का था आरोप

हमारे संवाददाता

देहरादून। उत्तराखंड में सरकारी कर्मचारी व अधिकारियों के सेवा सम्बन्धी मामलों का निर्णय करने वाले विशेष न्यायालय (ट्रिब्युनल) की नैनीताल पीठ ने एस.एस.पी. उधमसिंह नगर तथा आई. जी कुमाऊं के पुलिस कांस्टेबल विनोद खाती के खिलाफ विभागीय कार्यवाही में किये गये दण्ड आदेशों को निरस्त कर दिया है। ट्रिब्युनल वाइस चेयरमैन (ज्यूडिशियल) राजेन्द्र सिंह की बेंच ने कांस्टेबिल विनोद खाती की याचिका पर एस.एस.पी. के आदेश को सहायक पुलिस अधीक्षक/ पुलिस क्षेत्राधिकारी काशीपुर की द्वेष पूर्ण व गलत जांच पर आधारित तथा विधिविरूद्ध मानते हुये तथा आई. जी. के अपील आदेश को विवेक के इस्तेमाल किये बिना मानते हुये उसे निरस्त किया गया है।

उधमसिंह नगर में तैनात कांस्टेबल विनोद खाती की ओर से अधिवक्ता नदीम उद्दीन एडवोकेट ने उत्तराखंड लोक सेवा अधिकरण की नैनीताल पीठ में याचिका दायर की थी। इसमें कहा गया था कि जब 2020 में वह पुलिस चौकी पतरामपुर थाना जसपुर में तैनात था तो दिनांक 7-09-2020 को गुरदीप सिंह के घर जंगली जानवर का मांस होने की सूचना मिलने पर याची द्वारा अपने कर्तव्यों का पूर्ण ईमानदारी व कर्मठता से पालन करते हुये उसके घर दबिश दी गयी परन्तु कोई वस्तु बरामद न होने पर इसकी सूचना अपने उच्च अधिकारी को दी गयी। इस प्रकरण में प्रारंभिक जांच सहायक पुलिस अधीक्षक/क्षेत्राधिकारी काशीपुर से करायी गयी जिन्होंने अपनी जांच में बिना स्वतंत्र साक्ष्यों तथा याची के पक्ष को विचार में लिये, बिना स्वतंत्र गवाहों तथा साक्ष्यों के याची द्वारा कोई वैधानिक कार्यवाही न करते हुये गुरदीप सिंह से रिश्वत प्राप्त कर छोड़ने का निष्कर्ष दे दिया।

वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक ने इस जांच आख्या को आधार बनाते हुये अपने आदेश से कांस्टेबल की वर्ष 2021 की चरित्र पंजिका में परिनिन्दा प्रविष्टि अंकित करने का आदेश दे दिया। कांस्टेबल द्वारा इसकी अपील आई.जी. कुमाऊं परिक्षेत्र नैनीताल को की गयी लेकिन उन्होंने भी अपील पर निष्पक्ष रूप से विचार किये बगैर अपील आदेश दिनांक 14 दिसम्बर 2022 से अपील को निरस्त कर दिया। इस पर कांस्टेबिल विनोद खाती द्वारा अपने अधिवक्ता नदीम उद्दीन के माध्यम से उत्तराखंड लोक सेवा अधिकरण की नैनीताल पीठ में दावा याचिका दायर की। याचिका में विभागीय दण्ड के आदेश व अपील आदेश को निरस्त करके तथा उसके आधार पर रूके सेवा लाभों को दिलाने का निवेदन किया गया। याचिकाकर्ता की ओर से नदीम उद्दीन ने विभागीय जांच, दण्ड आदेश व अपील आदेश को अवैध निराधार तथा प्राकृतिक न्याय के उल्लंघन के आधार पर निरस्त होने योग्य बताया।

अधिकरण के उपाध्यक्ष (न्यायिक) राजेन्द्र सिंह की पीठ ने नदीम के तर्कों से सहमत होते हुये सहायक पुलिस अधीक्षक/पुलिस क्षेत्राधिकारी की जांच को द्वेष पूर्ण तथा गलत माना तथा इसके आधार पर वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक उधमसिंह नगर द्वारा दिये गये दण्ड आदेश को विधि विरूद्ध मानते हुये निरस्त कर दिया तथा आई.जी. कुमाऊं के अपील आदेश को विवेक का इस्तेमाल किये बिना मानते हुये निरस्त कर दिया गया है। साथ ही एस.एस.पी. तथा आई. जी.को आदेश दिया कि वह याची की चरित्र पंजिका व अन्य अभिलेखों में दर्ज परिनिन्दा प्रविष्टि को 30 दिन के अन्दर विलुप्त करें।

यूपीसीएल में अवर अभियंता के पद पड़े हैं रिक्तः मोर्चा

संवाददाता

विकासनगर। जन संघर्ष मोर्चा के अध्यक्ष रघुनाथ सिंह नेगी ने कहा कि यूपीसीएल में अवर अभियंतों के पद रिक्त पडे हुए हैं जिनकी भर्ती प्रक्रिया शुरू की जानी चाहिए।

आज यहां जन संघर्ष मोर्चा अध्यक्ष रघुनाथ सिंह नेगी ने सचिव, ऊर्जा आर मीनाक्षी सुंदरम से मुलाकात कर यूपीसीएल (उत्तराखंड पावर कॉरपोरेशन लि.) में अवर अभियंता (वि. एवं यां) के 129 पद तथा जनपद के 5 पद रिक्त

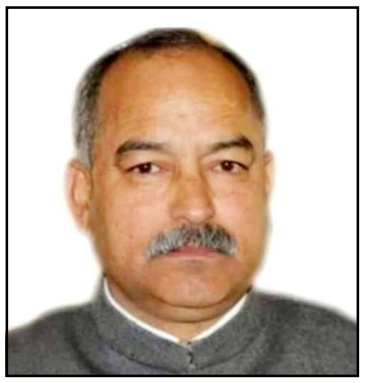

पदों पर भर्ती प्रक्रिया शुरू करने को लेकर आग्रह किया, जिस पर सुंदरम ने एमडी, यूपीसीएल को प्रक्रिया शुरू करने के निर्देश दिए।

नेगी ने कहा कि रिक्त चले आ रहे पदों में से कुछ पद पदोन्नति के माध्यम से भरे जाने हैं तथा कुछ पदों पर चयन प्रक्रिया गतिमान है। शेष पद सीधी भर्ती के माध्यम से भरे जाने हैं। नेगी ने कहा कि भर्ती प्रक्रिया शुरू होने से डिप्लोमा/ डिग्रीधारी युवाओं को रोजगार के अवसर प्राप्त होंगे तथा पदोन्नति के इंतजार में बैठे कार्मिकों की भी मुराद पूरी होगी।

भ्रष्टाचार विरोधी जांचों में एआई में क्रांतिकारी बदलाव आयेः श्रीवास्तव

संवाददाता

देहरादू। अपर पुलिस महानिदेशक उत्तर प्रदेश राजा श्रीवास्तव ने कहा कि भ्रष्टाचार विरोधी जांचों मे आर्टिफिशयल इंटेलीजेंसी के उपयोग से क्रांतिकारी बदलाव आये हैं।

आज यहां 49वीं अखिल भारतीय पुलिस साइंस कांग्रेस के प्रथम सत्र 5जी युग में पुलिस व्यवस्था (पुलिसिंग फॉर 5जी ऐरा) के अन्तर्गत हुई चर्चा में राजा श्रीवास्तव, अपर पुलिस महानिदेशक, उत्तर प्रदेश ने बताया कि भ्रष्टाचार विरोधी जांचों में एआई(आर्टिफिशयल इंटेलीजेंसी) के उपयोग से क्रान्तिकारी बदलाव आए हैं। उन्होंने बताया कि आधुनिक तकनीक का उपयोग कर अल्प समय में डेटा का विश्लेषण कर जाचों को समय से किया जा सकता है। अपराधियों की डिजिटल बिहेवियर रिपोर्ट जांच में काफी मदद देती है। वर्तमान समय में कई जांचों में फाइनेंसियल, बिहेवियर एनालिसेस का

प्रयोग कर अच्छे रिजल्ट मिले हैं, जो साक्ष्यों को न्यायालय में मजबूत आधार प्रदान करते हैं। उन्होने विशेष रूप से कहा कि कानून प्रवर्तन एजेन्सियों एवं अन्य विभागों के बीच डेटा शेयरिंग भी काफी महत्वपूर्ण है। साइबर सुरक्षा में लॉक एण्ड अनलॉक थ्रेड पर संयुक्त निदेशक, आसूचना ब्यूरो ने प्रकाश डाला। उन्होने कहा कि पुलिस से संबंधी संस्थाओं के लिए डेटा की सुरक्षा काफी महत्वपूर्ण है। आधुनिक तकनीक के इस युग में साइबर हाइजीन युक्त होने की आवश्यकता है। उन्होने बताया कि विभिन्न कार्यों हेतु आईपी कैमरा का उपयोग हो रहे हैं। आईपी कैमरा के नेटवर्क को सिक्योर करना साइबर सुरक्षा का एक महत्वपूर्ण पहलू है। बी एस जयसवाल, संयुक्त कमीशनर, दिल्ली पुलिस ने बीग डाटा एनालाइसेस के प्रयोग के आधार पर प्रभावी सीमा प्रबन्धन पर प्रकाश डाला। उन्होंने नई तकनीकों जैसे जीआईसी, जीपीएस, जीओ डॉम उपयोग कर कार्यप्रणाली में सुधार करने हेतु विशेष जोर दिया।

अगर आप भी डरते हैं हरी मिर्च का सेवन करने से तो खबर जरूर पढ़ें

हरी मिर्च का इस्तेमाल तो आप सब करते ही होंगे। लेकिन कई लोग इसके तीखेपन की वजह से खाने के लिए डरते है भोजन में तीखापन लाने वाली हरी मिर्च, स्वाद के साथ ही सेहत के लिए भी गुणों का खजाना है। अगर खाने में मिर्च ना हो तो आप चाहे कितने ही मसाले क्यों ना डाल दें पर खाना मजेदार नही लगेगा। वेसे तो मिर्च कई रंगो में आती है जैसे लाल, पीली, हरी आदि। लेकिन आपको यह बात नहीं पता होगी की हरी मिर्च खाने से काफी सारे फायदे भी होते हैं।

–हरी मिर्च में विटामिन सी पर्याप्त मात्रा में होता है। विटामिन सी दूसरे विटामिन्स को शरीर में भली प्रकार अवशोषित होने में मदद करता है।

–यदि आप लोग हरी मिर्च खाते हैं। तो आप लंग कैंसर की बीमारी से बच सकते हैं। बताया जाता है कि हरी मिर्च दिमाग के लिए बहुत ही ज्यादा फायदेमंद होती है7 हरी मिर्च दिमाग को भी फ्रेश रखती है7 और हरी मिर्च आपके ब्लड शुगर को भी संतुलित रखती है।

–मधुमेह के मरीजों के लिए हरी मिर्च लाभकारी साबित हो सकती है। हरी मिर्च एक कारगर एंटी डायबिटिक के रूप में काम करती है। इसके पीछे कारण हरी मिर्च में कैप्साइसिन नामक खास तत्व का होना है, जो रक्त शर्करा को नियंत्रित करने का काम करता है।

–आप लोगों को यह भी बता दें कि हरी मिर्च में फाइबर विटामिन पाया जाता है। जो पाचन क्रिया को काफी मजबूत रखता है। अगर इस तरह देखा जाए तो हरी मिर्च शरीर के लिए बहुत ही फायदेमंद होती है।

–हरी मिर्च का सेवन हमारी आँखो के लिए भी फायदेमंद है। इसमें मौजूद विटामिन सी और बीटा-कैरोटीन आँखो के लिए अच्छे होते हैं। हमेशा हरी मिर्ची को अंधेरी जगह पर रखें क्योंकि रोशनी और धूप के संपर्क में आने से इसके अंदर का विटामिन सी खत्म हो जाता है।

बच्चों के लिए खरीद रहे हैं लॉच बॉक्स तो जानें कैसा खरीदें...!

स्कूल जाने वाले लगभग सभी बच्चों के लिए लंच बॉक्स जरूरी सामानों में से एक है। लंच बॉक्स में बच्चे अपना दोपहर का खाना स्कूल ले जाते हैं। चूंकि यह बच्चों के भोजन से संबंधित है इसलिए लंच बॉक्स का चुनाव करने में काफी सावधानी बरतनी चाहिए। बाजार में लॉन्च बॉक्स की विभिन्न प्रकार की वैरायटी मिल जाती है। लेकिन सही और गुणवत्ता वाला लॉन्च बॉक्स चुनना जरूरी है। लंच बॉक्स की क्वालिटी अच्छी होनी चाहिए ताकि बच्चों के खाने को सुरक्षित रखा जा सके। इसके अलावा, बॉक्स का आकार, रंग, डिज़ाइन आदि भी बच्चे की उम्र और पसंद के अनुसार चुनना चाहिए। लंच बॉक्स खरीदते समय इन सभी बातों का ध्यान रखना बेहद जरूरी है। आइए जानते हैं।।

लंच बॉक्स की क्वालिटी चेक करें

लंच बॉक्स खरीदते समय सबसे पहले इसकी क्वालिटी की जांच करनी चाहिए। अच्छी क्वालिटी का लंच बॉक्स स्टील या फिर बीपीए फ्री प्लास्टिक का बना होना चाहिए। क्वालिटी अच्छी न होने पर बॉक्स जल्दी खराब हो सकता है या फिर बच्चे के खाने को नुकसान पहुंचा सकता है।

बॉक्स का आकार और डिजाइन

लंच बॉक्स खरीदते समय बच्चे की उम्र और उसकी पसंद के हिसाब से बॉक्स का आकार और डिजाइन चुनना चाहिए। छोटे बच्चों के लिए छोटे आकार का और रंगीन डिजाइन वाला बॉक्स सही होता है। बड़े बच्चों के लिए थोड़ा बड़ा और सिंपल डिजाइन वाला बॉक्स लें।

बॉक्स में कॉम्पार्टमेंट होने चाहिए

छोटे बच्चों के लिए लंच बॉक्स लेते समय यह ध्यान रखना जरूरी है कि बॉक्स में अलग-अलग कॉम्पार्टमेंट हों। छोटे बच्चे अपना खाना खुद संभाल नहीं पाते इसलिए कॉम्पार्टमेंट में खाने की चीजें सही से अलग रखी जा सकती हैं। इससे खाने की चीजें आपस में नहीं मिलेंगी और साफ-सुथरा रहेगा।

मल्टी-कलर वाले बॉक्स से बचें

लंच बॉक्स लेते समय मल्टी-कलर वाले डिजाइन से बचना चाहिए। कई रंगों वाले प्लास्टिक बॉक्स के रंग जल्दी फीके पड़ जाते हैं। इससे खाने की चीजें खराब हो सकती हैं। सिंपल या मैट फिनिश वाला बॉक्स लेना सही होता है।(आरएनएस)

बदलाव के लिए संगीतः उत्तराखंड ने देश के 16 अन्य राज्यों के साथ बाल विवाह के खिलाफ मिलाए सुर

बाल विवाह के खिलाफ पूरे देश के साथ सुर मिलाते हुए संगीत के माध्यम से सामाजिक बदलाव के अपनी तरह के संभवतः सबसे बड़े अभियान में बड़ी तादाद में उत्तराखंड के गैर सरकारी संगठनों और लोक कलाकारों ने सुरीले गीतों के जरिए देश से बाल विवाह के खात्मे का आह्वान किया। 'बदलाव के लिए संगीत' अभियान के लिए उत्तराखंड के तमाम गैर सरकारी संगठनों ने हाथ मिलाया और राज्य के सुदूर गांवों एवं गलियों तक अपना संदेश पहुंचाने के लिए अपनी भाषा और बोलियों में गीत गाए। उत्तराखंड सहित देश के 17 राज्यों के लोक कलाकारों व लोकगायकों ने बाल विवाह के खिलाफ विभिन्न भाषाओं और बोलियों में अब तक 331 से ज्यादा गाने गाए हैं। सामाजिक बदलाव में लोकगीतों और लोक कलाकारों की अद्वितीय भूमिका को देखते हुए इन्हें व्हाट्सऐप और अन्य डिजिटल माध्यमों के जरिए देश के जन-जन तक फैलाया जाएगा और सामाजिक अभियानों से जुड़े कार्यक्रमों में इनका इस्तेमाल किया जाएगा। यह अभिनव पहल देशव्यापी बाल विवाह मुक्त भारत अभियान का हिस्सा है। महिला कार्यकर्ताओं और नागरिक समाज संगठनों की अगुआई में 300 से भी ज्यादा जिलों में चलाए जा रहे इस अभियान का लक्ष्य 2030 तक देश से बाल विवाह का पूरी तरह खात्मा और इस प्रकार तीन करोड़ से ज्यादा बच्चियों को कम उम्र में विवाह से बचाना है। इस अभियान का उद्देश्य देश में बच्चों की सुरक्षा के लिए मौजूदा सरकारी नीतियों और कानूनों का प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित करना है। 'बदलाव के लिए संगीत' अभियान का पहला चरण माने गए इस अभियान में संगीत जैसे प्रभावशाली और ताकतवर माध्यम का इस्तेमाल करते हुए लोक गायकों, स्थानीय कलाकारों और ग्रामीणों जिसमें महिलाएं और बच्चे भी शामिल थे, ने जहां भी, जिस क्षमता में और जैसे भी बन पड़ा, अपने गाने रिकॉर्ड किए। नतीजा विभिन्न भाषाओं और बोलियों में अनुपम जुनून और उमंग के साथ स्थानीय कलाकारों द्वारा गली-चौबारों, खेत खलिहानों और गांव की चौपालों, घरों और स्कूलों एवं यहां तक कि स्टूडियो में शूट और रिकॉर्ड किए किए 331 गानों के भंडार के रूप में सामने आया है। मोबाइल फोन और इंटरनेट की क्षमता और संभावनाओं का भरपूर दोहन करते हुए इन कलाकारों की पहुंच से देश का कोई भी हिस्सा अछूता नहीं रहा और अब ये गाने न सिर्फ गांवों की चौपालों और समारोहों में बजाए जाएंगे बल्कि व्हाट्सऐप के जरिए जन-जन तक पहुंचाए जाएंगे।

आदिवासी इलाकों की आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं से लेकर किशोर और बाल विवाह की शिकार महिलाएं, सभी इस अभियान में शामिल हुई हैं और अब वे सिर्फ बातों से ही नहीं बल्कि संगीत के जरिए अपने प्रतिरोध को स्वर दे रही हैं। 'बदलाव के लिए संगीत'पहल में शामिल 17 राज्यों के गैर सरकारी संगठनों को नमूने के तौर पर एक खाका बना कर दिया गया था और उन्हें तीन अक्तूबर तक अपनी भाषा या बोली में गाना रिकार्ड कर साझा करने को कहा गया था। इन संगठनों से कहा गया था कि वे स्थानीय परिवेश के हिसाब से गाने के बोल में बदलाव कर सकते हैं। कैलाश सत्यार्थी चिल्ड्रेन्स फाउंडेशन के इंडिया हेड रवि कांत ने बदलाव के लिए संगीत के जरिए अभियान की महत्ता बताते हुए कहा, संगीत आत्मा की भाषा है और दुर्गम से दुर्गम या सुदूरतम कोनों में पहुंचने की इसकी क्षमता जगजाहिर है। एक सुरीले और प्रभावी संगीत में आत्मा को झकझोरने और बेड़ियों को तोड़ने की कूव्वत होती है। श्बदलाव के लिए संगीतश अभियान में देश के कोने-कोने से बड़े पैमाने पर महिलाओं के जुड़ाव और देश से बाल विवाह को खत्म करने के दृढ़ निश्चय की अभिव्यक्ति वाले उनके गानों से विवाह मुक्त भारतश अभियान को नई उर्जा और बल मिला है। जमीनी स्तर पर इस तरह के दृढ़ संकल्प और भागीदारी से इस अभियान को अपार उर्जा मिली है और इसका आंधी-तूफान की रफ्तार से प्रसार हुआ है। गाने के मूल बोल को सभी लोगों के साथ साझा किया गया था। इसमें आह्वान किया गया था कि वे चाहे जिस गांव या पेशे में हों, समाज की सूरत बदलने के लिए इस अभियान से जुड़ जाएं। उनसे आह्वान किया गया था कि वे जहां हों, और पास में जो भी छोटे-बड़े संसाधन या औजार हों, उसी के साथ इस अभियान में शामिल हो जाएं। ये गाना लोगों से कहता है, हर गांव का नक्शा बदलने के लिए चलो.. .कैंची चलाने वालो कैंची लिए उठो, ठेला चलाने वालो ठेला लिए उठो...हर गांव से उठो, हर पक्ष से उठो।

इस अभियान में अंडमान, आंध्र प्रदेश, असम, बिहार, झारखंड, दिल्ली, गुजरात, हरियाणा, महाराष्ट्र, मध्य प्रदेश, ओड़ीशा, राजस्थान, तेलंगाना, तमिलनाडु, उत्तराखंड, उत्तर प्रदेश और पश्चिम बंगाल जैसे 17 राज्यों के गैर सरकारी संगठनों ने हिस्सा लिया।

दांतों की साफ-सफाई से कम होता है सिर और गर्दन के कैंसर का खतरा, शोध में हुआ खुलासा

हाल ही में कई देशों के शोधकर्ताओं ने मिलकर एक अध्ययन किया। इसमें पाया गया कि जिन लोगों के दांत अच्छी हालत में रहते हैं, उनमें सिर और गर्दन के कैंसर होने का खतरा काफी कम होता है। खासकर जो लोग नियमित रूप से दंत चिकित्सक के पास जाते हैं, उनके शरीर में कैंसर के लक्षणों को जल्दी पहचाना जा सकता है। इससे उनका इलाज भी जल्दी और असरदार तरीके से हो पाता है।इंटरनेशनल हेड एंड नेक कैंसर एपिडेमियोलॉजी (आईएनएचएएनसीई) कंसोर्टियम द्वारा किया गया इस को अध्ययन नेशनल कैंसर इंस्टीट्यूट के जर्नल में प्रकाशित किया गया है।

जानें क्या कहता शोध

इस अध्ययन में सिर और गर्दन के कैंसर के मरीजों का डेटा इकट्ठा किया गया। इसमें मसूड़ों से खून आने, दांत ब्रश करने की आवृत्ति, माउथवॉश का उपयोग और पिछले 10 वर्षों में दंत चिकित्सक के पास जाने की जानकारी इक्ठ्ठा की। इस अध्ययन में पाया गया कि जिन मरीजों की दांतों की स्वास्थ्य स्थिति अच्छी थी और जो नियमित रूप से दंत चिकित्सक के पास जाते थे, उनका कैंसर होने के बाद भी वह अधिक दिन तक स्वास्थ्य रहें। जिन लोगों ने 10 साल के अंदर 5 से ज्यादा बार दंत चिकित्सक का दौरा किया, उनकी जीने की संभावना बड़ गई थी। जिन्होंने कभी दंतों को डॉक्टर से नहीं दिखाया और अचानक कैंसर का पता चला उनके जीने की संभावना कम थी। गले के पिछले हिस्से के कैंसर जैसे टॉन्सिल और तालू के कैंसर में यह अंतर सबसे ज्यादा देखा गया। यह पाया गया कि जिनके दांत अच्छे थे और 20 से ज्यादा असली दांत थे उनकी भी बचने की संभावना ज्यादा थी।

क्यों बढ़ रहे हैं कैंसर के मामले

हाल के वर्षों में उपचार होने कर सिर और गर्दन के कैंसर से लोगों का बचाव हो रहा है। लेकिन फिर भी यह दुनिया भर में 6वां सबसे आम कैंसर है।अमेरिका में इसके हर साल लगभग 67,000 नए मामले सामने आते हैं। इसका सबसे बड़ा कारण तंबाकू का सेवन है। शराब पीना और एचपीवी वायरस भी इसका खतरा बढ़ाते हैं इस शोध से दांतों और मुंह की सफाई पर ध्यान देने से कैंसर से बचा जा सकता है।

फ्रिज में आटा रख कर आप भी खाते हैं रोटी तो हो जाएं सावधान!

आजकल के व्यस्त जीवनशैली में, अधिकांश लोग सुबह के लिए आटे की रोटियां तैयार करने के लिए रात को ही आटा गूथ कर फ्रिज में रख देते हैं। इसलिए क्योंकि सुबह उठते ही नहाने-धोने और बच्चों को तैयार करने में व्यस्त रहने के कारण आटे को गूथने और रोटियां बनाने का वक्त नहीं मिल पाता। इसीलिए रात को सोने से पहले आटा गूथ कर फ्रिज में रख देना आसान लगता है। यही नहीं लोग आसानी के लिए बचा हुआ आटा फ्रिज में रख देते हैं, परन्तु यह एक गलत आदत है जिससे हमें बचना चाहिए। आइए जानते हैं फ्रिज में रखे आटे से बनी रोटियां खाने से क्या परेशानी होती है।

बैक्टीरिया पनपता है : फ्रिज में रखने से आटे में बैक्टीरिया पनप सकते हैं जो स्वास्थ्य के लिए हानिकारक हो सकते हैं। फ्रिज की ठंडक बैक्टीरिया को मारती नहीं है।

पोषक तत्वों की कमी : फ्रिज में रखने से आटे में मौजूद विटामिन और मिनरल्स खराब हो सकते हैं जिससे आटे का पोषक मूल्य कम हो जाता है। विशेषज्ञों का कहना है कि अगर आपको आटा फ्रिज में रखना ही है, तो उसे 6-7 घंटे से ज्यादा समय तक ना रखें। आटे में कई प्रकार के रसायन पाए जाते हैं। आटे को लंबे समय तक फ्रिज में रखने से ये रसायन स्वास्थ्य के लिए हानिकारक हो सकते हैं। साथ ही, फ्रिज की हानिकारक किरणें और गैसें आटे में समा जाती हैं, जो आटे के स्वाद और सेहत दोनों के लिए अच्छी नहीं होतीं।

स्वाद में कमी : आटे में मौजूद ग्लूटेन फ्रिज में रखने से क्षतिग्रस्त हो सकता है जिससे रोटियां सख्त और गुठली बन सकती हैं। फ्रिज में रखे आटे से बनी रोटियां जल्दी खट्टी हो सकती हैं और स्वाद में अंतर आ सकता है।

फ्रिज में रखने से आटे में नमी जमा हो जाती है जिससे रोटियां चिपचिपी और भारी बनती हैं।

पेट संबंधित समस्याएं : फ्रिज में रखने से आटे में बैक्टीरिया और फंगस पनप सकते हैं जो फूड पॉइजनिंग का कारण बनते हैं। इससे पेट दर्द, उल्टी-दस्त जैसी समस्याएं हो सकती हैं। फ्रिज में रखे आटे के गुण बिगड़ते हैं जिससे पाचन तंत्र पर बुरा असर पड़ सकता है। कब्ज, एसिडिटी जैसी समस्याएं हो सकती हैं।फ्रिज में रखे आटे में एलर्जेन बढ़ सकते हैं जो आंतों में सूजन का कारण बनते हैं।

प्रेम में उम्मीद और तसल्ली

शमीम शर्मा

सबसे ज्यादा सांत्वना की जरूरत प्रेमियों को पड़ती है और उम्मीद के शिखर को भी ये ही लोग स्पर्श करते हैं। लैला-मजनू अब नाम नहीं रहे बल्कि प्रेम करने वालों के पर्याय बन चुके हैं। यह आशावादी होने की पराकाष्ठा नहीं तो और क्या है कि जो लैला-मजनू इस जीवन में मिल नहीं सकते, वे पूरी तरह आश्वस्त होते हैं कि अगले जन्म में जरूर मिलेंगे। जबकि पक्के तौर पर यह नहीं पता है कि अगला जन्म होता है या नहीं। जीते जी दोस्त यही तसल्ली देते नज़र आते हैं कि जब तक अगली का ब्याह नहीं हो जाता तब तक उम्मीद नहीं छोड़नी चाहिये।

कॉलेज की लाइफ में प्यार और पढ़ाई का गजब कांबिनेशन है। पहले लैला-मजनू इक्का-दुक्का ही हुआ करते थे, अब इनकी क्लास की क्लास है। सबकी अपनी-अपनी पर निगाह है। और सच कहूं तो अब यह प्रेम रोग कोरोना की तरह बढ़ता ही जा रहा है। कोरोना काल में प्रेमियों पर भी भारी गाज गिरी है। न मिल सकते हैं, न कहीं आ-जा सकते। इसलिये कोरोना के मारे ये बेचारे ऑनलाइनों पर ही जुटे हुए हैं।

अपने वक्त में प्यार करने वाले भी अपनी संतानों को प्रेम रोग से बचने की नसीहतें देने से बाज नहीं आते। पति-पत्नी साइकिल के दो पहिये होते हैं पर पूछने वाले तो सवाल उठा देते हैं कि जिनकी प्रेमिका भी होती है तो वे क्या रिक्शा के पहिये होते हैं अगर किसी लड़की के चार-पांच ब्वायफ्रेंड हों तो वो भी कहती मिलेगी कि प्यार अंधा होता है पर इस स्थिति में सच्चाई यह है कि प्यार अंधाधुन्ध होता है। इसलिये किसी चांद को अपना बनाने से पहले यह देख लो कि कितने ग्रह उसके चक्कर लगाते हैं।

मसखरों का विश्लेषण है कि शादी तक जो गर्लफ्रेंड जान होती है वही बाद में जानलेवा सिद्ध हो जाती है। ऐसे भी प्रमाण मिलते हैं कि जिन्होंने एक बार क्लास में उसका हाथ दबाया था, वे आज तक उसके पैर दबा रहे हैं। कुछ लड़के प्रेमी के रूप में इतने बदनाम हो जाते हैं कि अगर उनके गांव से कोई लड़की भाग जाये तो उनके घरवालों का फोन आता है कि तू कित मर रह्या है कुछ लड़कों को सबसे बड़ा गम है कि जो उनसे दो क्लास पीछे थी, आज वो दो बच्चों की मां बनकर उनसे आगे है।

वैधानिक सूचना

सुविज्ञ पाठकों से आग्रह है कि इस समाचार पत्र में प्रकाशित किसी भी विज्ञापन में दिए गए तथ्यों, शर्तों और दावों के प्रति वह खुद भी आश्वस्त हो लें। पाठकों से आग्रह है कि वह प्रकाशित विज्ञापन से प्रभावित होकर कोई कदम उठाने से पहले अपने स्तर पर भी स्वयं के संतुष्ट होने तक संपूर्ण व्यावहारिक जानकारी कर लें। भविष्य में किसी भी प्रकाशित विज्ञापन व लेख में निहित दावों या शर्तों को लेकर पाठकगण को कोई असुविधा या परेशानी होती है तो *सांध्य दैनिक दून वैली मेल* के मुद्रक, प्रकाशक या सम्पादक की कोई जवाबदेही नहीं होगी।

–प्रबंधक विज्ञापन

डिप्रेशन में दूध पीना कितना फायदेमंद

तेजी से भागती दौड़ती दुनिया में डिप्रेशन और एंजाइटी तेजी से अपने पैर पसार रहे हैं। कामकाज का तनाव,रिश्तों का तनाव हो या कंपटीशन का तनाव, इन सभी चीजों का असर सीधा मानसिक स्वास्थ्य पर पड़ रहा है। यही कारण है कि डॉक्टर फिजिकल फिटनेस के साथ साथ मेंटल फिटनेस पर भी फोकस करने की सलाह देते हैं। मेंटल फिटनेस की बात की जाए तो आप अपनी डाइट में कुछ बदलाव करके डिप्रेशन और तनाव से छुटकारा पा सकते हैं। ऐसे में हाल ही में कराए गए कुछ अध्ययन कहते हैं कि डिप्रेशन और तनाव जैसी समस्याओं से बचना है तो डाइट में दूध को एड करने से फायदा मिलता है। चलिए जानते हैं कि दूध पीने से तनाव दूर होने का क्या कनेक्शन है।

हाल ही में इस संबंध में हुई एक स्टडी में कहा गया है कि तनाव या डिप्रेशन को दूर रखने के लिए विटामिन डी युक्त डेयरी प्रोडक्ट्स का सेवन लाभ करता है। डेयरी प्रोडक्टस में पाए जाने वाले पोषक तत्व मेंटल डिसऑर्डर को दूर रखने में सहायक होते हैं। इसके साथ ही शरीर में विटामिन डी की कमी से मेंटल फिटनेस पर बुरा असर पड़ता है। ऐसे में अगर शरीर को पर्याप्त मात्रा में विटामिन डी की खुराक दी जाए तो मेंटल इलनेस जैसे तनाव, डिप्रेशन, एंजाइटी आदि में लाभ मिलता है। देखा जाए तो दूध सीथा डिप्रेशन पर असर नहीं करता, लेकिन इसके अंदर पाया जाने वाला विटामिन डी डिप्रेशन के जोखिमों को दूर करने में मददगार साबित होता है।

हेल्थ एक्सपर्ट कहते हैं कि केवल दूध ही नहीं गाजर के सेवन से भी डिप्रेशन के लक्षणों में कमी आती है। गाजर में पाया जाने वाला बीटा कैरोटीन अवसाद में फायदा करता है और इससे मेंटल फिटनेस भी अच्छी होती है।

हरी पत्तेदार सब्जियां भी करती हैं लाभ

हरी पत्तेदार सब्जियों में पाया जाने वाला फोलेट डिप्रेशन से बचाने में सहायक साबित होता है। इन सब्जियों में पाए जाने वाले पोषक तत्व तनाव और मेंटल इलनेस को दूर करते हैं। इसलिए रोज डाइट में एक ना एक हरी और पत्तेदार सब्जी जरूर शामिल करनी चाहिए। (आरएनएस)

ऐसा क्यों बोलते हैं पोछा लगाते टाइम पानी में नमक डाल लेना चाहिए ?

पोछा करते समय हमारे अधिकांश घरों में एक रस्म है कि पानी में थोड़ा सा नमक मिलाकर पोछा लगाया जाता है। परंतु शायद हममें से बहुत कम लोगों को इसके पीछे के कारणों का पता होगा। दरअसल, पानी में नमक मिलाकर पोछा करने के कई लाभ होते हैं।

नमक पोछे पर लगे दाग-धब्बों और गंदगी को साफ करने में मदद करता है। नमक फर्श पर रगडने़ से दाग आसानी से निकल जाते हैं। साथ ही, नमक पोछे को डिसइन्फेक्ट भी करता है और बैक्टीरिया व वायरस को खत्म करता है। इससे पोछा साफ लगता है। नमक पोछे के रंग को भी फीका पडने़ से बचाता है। इस प्रकार, पानी में नमक डालकर पोछा करना एक उपयोगी परंपरा है जिसके कई लाभ हैं।

नमक वाले पानी से पोछा लगाने के कई फायदे होते हैं –

* नमक फर्श पर लगे गंदगी और दाग-धब्बों को साफ करने में मदद करता है। नमक रगडने़ से दाग आसानी से उतर जाते हैं।

* नमक फर्श को डिसइन्फेक्ट भी करता है और बैक्टीरिया-वायरस को खत्म कर फर्श को साफ बनाए रखता है।

* नमक से फर्श पर लगने वाली बदबू भी दूर हो जाती है।

* यह फर्श को चमकदार बनाता है।

* नमक के पानी से पोछा लगाने से फर्श पर मौजूद बैक्टीरिया और कीटाणु मर जाते हैं।

* नमक एंटीसेप्टिक गुणों से भरपूर होता है जो मक्खियों को दूर रखता है।

* नमक फर्श की सतह को साफ और चिकना बनाता है।

* नियमित नमक वाले पानी से पोछा लगाने से मक्खी दूर भागती है।

* नमक फर्श की सफाई में मदद करता है और उसे सैनिटाइज भी करता है।

* नमक सकारात्मक ऊर्जा का प्रतीक है। नमक से पोछा लगाने से घर में सकारात्मकता आती है।

* नमक नकारात्मक ऊर्जा को खत्म करने में मदद करता है। यह घर को नकारात्मक तत्वों से बचाता है।

* यह घर को बुरी नजर और अन्य नकारात्मक प्रभावों से बचाता है।

शब्द सामर्थ्य -065

(भागवत साहू)

बाएं से दाएं :

1. पानी, नीर, अंबु 2. आना-जाना, आवागमन 5. बहुत, बढ़िया 6. दूर रहने वाला (घटना) जो वर्तमान में न घट सके 8. अबोध, नासमझ, अनाड़ी 10. सब्जी, शाक 11. निशान, उद्देश्य, अनुमान योग्य वस्तु 12. नाखून 13. द्रव पदार्थ 15. सूनसान, जनविहीन स्थान 16. चटकीला, चमकीला, चटपटा, गौरेया 18. भगवान, खुदा 19. इन दिनों, वर्तमान दिनों में 20. अग्नि, पावक 21. अन्नकण, अनाज का टुकड़ा 22. टालमटोल, बहाने बाजी 24. भैया की पत्नी 25. पांच से छोटी एक विषम संस्था 26. हत्या, कत्ल.

ऊपर से नीचे

1. दुनिया, संसार, ठोस रूप में परिवर्तित करना 2. चमक, पानी 3. बाजीगर, जादू का खेल दिखाने वाला 4. एक पंजाबी प्रेमगीत, रांझा की प्रेमिका 5. मार-काट, खून-कत्ल 7. भूमि, जमीन, भू-भाग 9. बहुत बड़ा दानी, 10. संगीत के सुरों की संख्या 14. लचीला, लोचयुक्त 17. खिसकना, अपने स्थान से हटना, विचलित होना 19. प्रवेश करना, पधारना, आना 20. धूप-दीप से पूजा 22. इसी समय 23. गुस्सा, कहर.

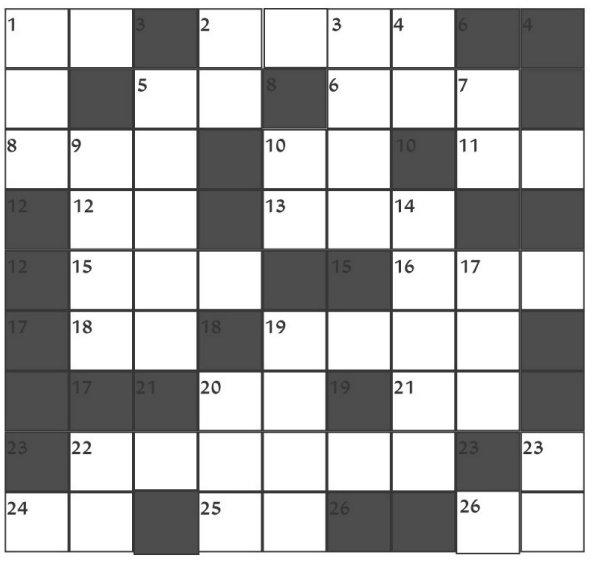

शब्द सामर्थ्य क्रमांक 64 का हल

स्वा	द		सा	म	ना		कै	दी
व		ख	ल	ना	य	क		वा
लं	प	ट		ना	क	क	ट	ना
बी		प				ड़ी		प
	अ	ट	प	टा			शा	न
स	ह		यो			र	ति	
ह	म		द	र	ब	द	र	
म	क	र		सी	ल			
त		क्षा		द	वा	खा	ना	

फिल्म डबल आईस्मार्ट का नया पोस्टर जारी

संजय दत्त ने साउथ स्टार यश की फिल्म केजीएफ 2 में काम किया था जिसके बाद वह एक बार फिर पैन इंडिया फिल्म में नजर आएंगे। वह डायरेक्टर पुरी जगन्नाथ की फिल्म डबल इस्मार्ट में देखे जाएंगे। साउथ सिनेमा की हिट मशीन कहे जाने वाले पुरी जगन्नाथ ने ऑडियंस को कई मनोरंजक कंटेंट वाली फिल्मों से नवाजा है। किसी भी सीन को बारीकी से फिल्माने का उनका अंदाज बाकी निर्देशकों से काफी अलग और हटकर है। संजय दत्त पिछले कुछ वक्त से अपनी आने वाली फिल्म डबल आईस्मार्ट को लेकर सुर्खियां बटोर रहे हैं। इसका निर्देशन पुरी जगन्नाथ द्वारा किया जा रहा है। फिल्म डबल आईस्मार्ट अगले साल 8 मार्च को सिनेमाघरों में दस्तक देगी। इसे हिंदी समेत तेलुगु, तमिल, कन्नड़ और मलयालम भाषाओं में रिलीज किया जाएगा। फिल्म में सत्यदेव, नाभा नटेश और निधि अग्रवाल भी मुख्य भूमिका में नजर आएंगे। डबल आईस्मार्ट साल 2019 में आई फिल्म आईस्मार्ट शंकर की सीक्वल है। इसका निर्देशन भी पुरी जगन्नाध ने किया था। महज 15 करोड़ रुपये की लागत में बनी इस फिल्म ने 85 करोड़ रुपये से अधिक का कारोबार किया था।

काले चमड़े की जैकेट पहने और बंदूकें लिए हुए, संजय दत्त, पुरी और राम कैमरे के लिए पोज़ दे रहे हैं, ऐसा लग रहा है कि तीनों डबल इस्मार्ट के विस्तारित शेड्यूल की शूटिंग कर रहे हैं, जो 2019 में रिलीज़ हुई आईस्मार्ट शंकर की अगली कड़ी है। डबल आईस्मार्ट में संजय दत्त एक फीचर-लंबाई भूमिका निभा रहे हैं। निर्माताओं ने हाल ही में फर्स्ट-लुक पोस्टर के साथ उनके किरदार को द बिग बुल के रूप में पेश किया।

फिल्म एनिमल में दिखा रणबीर कपूर का धांसू अवतार

रणबीर कपूर स्टारर फिल्म 'एनिमल' साल 2023 की मोस्ट अवेटेड फिल्म है। इस फिल्म के इंटेंस पोस्ट जारी होने के बाद से फैंस फिल्म का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। पिछले दिनों रणबीर कपूर के बर्थडे पर 'एनिमल' का मोस्ट अवेटेड टीजर रिलीज कर दिया है। टीजर काफी धमाकेदार है। टीजर की शुरुआत में अनिल कपूर रणबीर कपूर के मुंह पर तमाचे जड़ते हुए नजर आते हैं और कहते हैं ज्योति क्रिमिनल पैदा किया है हमने। इसके बाद रणबीर कपूर और रश्मिका मंदाना नजर आते हैं और रणबीर रश्मिका से कहते है कि माई फादर इज बेस्ट फादर इन द वर्ल्ड। इसके बाद रणबीर का इंटेंस लुक नजर आता है और धांसू एक्शन सीन्स भी दिखते हैं। टीजर के लास्ट में बॉबी देओल नजर आते हैं। टीजर में रणबीर कपूर के वायलेंट लुक को देखर रौंगटे खड़े हो जाते हैं। इससे ये साफ हो गया है कि फिल्म में वे अपने डेंजरस लुक से इम्प्रेस करने वाले हैं। मिनट 29 सेकंड की क्लिप में, मेकर्स ने एनिमल उर्फ रणबीर और उनके एक्शन से भरपूर सीन्स की एक झलक दी है। एक गैंगस्टर ड्रामा मानी जाने वाली इस एंटरटेनिंग फिल्म में रणबीर मुख्य भूमिका में हैं, जिसकी कहानी एक पिता-पुत्र के बीच तनावपूर्ण रिश्ते पर फोकस्ड है। अनिल कपूर एनिमल में रणबीर के पिता के रोल में नजर आएंगे वहीं रश्मिका मंदाना रणबीर की गर्लफ्रेंड के रोल में हैं। ये फिल्म पहले अगस्त में रिलीज होने वाली थी। बाद अगस्त में यह फिल्म बॉक्स ऑफिस पर सनी देओल की गदर 2 और अक्षय कुमार स्टारर ओएमजी 2 से क्लैश कर रही थी। इसे देखते हुए मेकर्स ने रिलीज डेट को आगे बढ़ा दिया। अब ये फिल्म 1 दिसंबर को रिलीज होगी।

शिव राजकुमार ने गैंगस्टर बन किया दुश्मनों का पत्ता साफ

कन्नड़ सुपरस्टार शिव कुमार की मोस्ट अवेटेड एक्शन थ्रिलर फिल्म घोस्ट का ट्रेलर हिंदी में आउट हो गया है। ट्रेलर ने रिलीज के साथ ही फैंस को फिल्म के लिए एक्साइट कर दिया है। फिल्म इसी साल 19 अक्टूबर को सिनेमाघरों में रिलीज की जाएगी। शिव कुमार के साथ घोस्ट में दिग्गज एक्टर अनुपम खेर भी अहम किरदार अदा करते दिखाई देने वाले हैं।

एक्शन पैक्ड फिल्म घोस्ट के ट्रेलर ने फिल्म को लेकर दर्शकों की एक्साइटमेंट बढ़ा दी है। फिल्म में लीड रोल निभाने वाले शिवकुमार एक गैंगस्टर के किरदार में दिखाई देने वाले हैं जो जेल पर कब्जा करने वाले हैं। वहीं अनुपम खेर का किरदार भी बेहद खास होने वाला है। शिव राजकुमार की पैन इंडिया फिल्म घोस्ट सैंडलवुड की अगली बड़ी फिल्म है। फिल्म को ब्लॉकबस्टर हिट बीरबल फेम श्रीनी ने डायरेक्ट किया है।

शिव कुमार और अनुपम खेर के अलावा फिल्म में जयराम, प्रशांत नारायणन, अर्चना जोइस, सत्य प्रकाश भी नजर आएंगे। ट्रेलर में शिवकुमार का एक्शन से भरपूर अवतार दिखाया गया है। इस तरह एक बार फिर वे स्क्रीन पर धमाल मचाने के लिए तैयार हैं। वहीं अनुपम खेर शिवकुमार के साथ लीड रोल प्ले करते दिखाई दे सकते हैं।

अनुपम खेर की बात करें तो वे हाल ही में विवेक अग्निहोत्री की फिल्म द वैक्सीन वॉर में दिखाई दिए हैं। उनकी फिल्म 28 सितंबर को थिएटर्स में रिलीज हुई थी जिसमें उनके साथ नाना पाटेकर, रायमा सेन, पल्लवी जोशी और गिरीजा ओक जैसे स्टार्स दिखाई दिए हैं। इसके अलावा अनुपम खेर कंगना रनौत के साथ फिल्म इमरजेंसी में भी दिखाई देंगे जो कि इसी साल 24 लवंबर को रिलीज के लिए तैयार है।

साउथ में डेब्यू के लिए तैयार हैं रवीना टंडन की बेटी राशा थडानी

बॉलीवुड एक्ट्रेस रवीना टंडन और अनिल थंडानी की बेटी राशा थंडानी जल्द ही फिल्मों में कदम रखेंगी। रवीना ने जिस तरह लाखों फैंस के दिलों पर राज किया है, राशा से भी फैंस को वहीं उम्मीदें हैं। सोशल मीडिया पर यूं भी राशा अपनी खूबसूरती और ग्लैमर के लिए छाई रहती हैं। अक्सर उन्हें पैपराजी द्वारा स्पॉट किया जाता है। फैशन और स्टाइल से राशा ने पहले ही लोगों का दिल जीत लिया है। अब वो बड़े पर्दे पर अपने अभिनय का जलवा दिखाएंगी। खबर है कि स्टार किड राशा साउथ इंडस्ट्री से फिल्मों में ग्रैंड एंट्री मारेंगी। साथ ही उन्हें एक बड़े सुपरस्टार के साथ भी काम करने का मौका मिलने जा रहा है।

रिपोर्ट के मुताबिक, राशा एक तेलुगु फिल्म में लीड हीरोइन बनने जा रही हैं। फिलहाल इस प्रोजोकेट पर अभी बातचीत चल रही हैं। फिल्म की खास बात ये है कि इसमें साउथ सुपरस्टार राम चरण लीड हीरो हैं। राशा और रामचरण की जोड़ी बन सकती है। दूसरी ओर हम ये भी कह सकते हैं कि राशा खुद से करीब 20 साल बड़े एक्टर संग रोमांस करते दिखेंगी, 38 वर्षीय स्टार राम चरण जल्द एक हाई लेवल प्रोजेक्ट शुरू करने जा रहे हैं।

रिपोर्ट में आगे कहा गया है कि संबंधित फिल्म के निर्माताओं को पूरा भरोसा है कि राशा इस भूमिका में फिट बैठती हैं, और जल्द ही एक्ट्रेस इस फिल्म को साइन कर सकती हैं। हालांकि, इस मामले पर रवीना टंडन, राशा या राम चरण की आधिकारिक टिप्पणी का इंतजार है।

रवीना टंडन ने पहले बताया था कि वो चाहती हैं राशा बॉलीवुड में कदम रखने से पहले अपनी पढ़ाई पूरी कर लें। भले ही वह बॉलीवुड में अपना नाम कमाएं या नहीं, लेकिन उन्हें इतन एजुकेटेड होना चाहिए कि वो अपने पैरों पर खड़ी हो सकें। इससे पहले अटकलें आई थीं कि राशा अजय देवगन के भतीजे अमान देवगन के साथ बॉलीवुड में डेब्यू करेंगी। कहा जा रहा है कि अभिषेक कपूर की एक्शन-एडवेंचर फिल्म में इन दो नए चेहरों की जोड़ी बनेगी। अब देखना है कि आखिर राशा किस तरह फैंस का मनोरंजन करने पर्दे पर आएंगी।(आरएनएस)

मृणाल ठाकुर की आंख मिचौली 27 अक्टूबर को रिलीज होगी फिल्म

बॉलीवुड अभिनेत्री मृणाल ठाकुर पिछले कुछ वक्त से अपनी आने वाली फिल्म आंख मिचौली को लेकर चर्चा में हैं।इसमें उनके अलावा अभिमन्यु, परेश रावल, शरमन जोशी, दिव्या दत्ता, अभिषेक बनर्जी, दर्शन जरीवाला, ग्रुशा कपूर और विजय राज जैसे कलाकार भी प्रमुख भूमिकाओं में नजर आएंगे। अब निर्माताओं ने आंख मिचौली का ट्रेलर जारी कर दिया है, जो कॉमेडी से भरपूर है।मृणाल और परेश की जबरदस्त अदाकारी ने दर्शकों का दिल जीत लिया है।

फिल्म आंख मिचौली का निर्देशन उमेश शुक्ला द्वारा किया जा रहा है और फिल्म की कहानी भी इन्होंने ही लिखी है। आशीष वाघ इसके निर्माता हैं।आंख मिचौली इसी साल 27 अक्टूबर को सिनेमाघरों में दस्तक देने के लिए तैयार है। बता दें, कुछ दिन पहले निर्माताओं ने आंख मिचौली का पहला पोस्टर जारी किया था, जिसमें सभी कलाकार मस्ती भरे अंदाज में नजर आए।आंख मिचौली के बाद मृणाल पूजा मेरी जान में नजर आएंगी।

2 मिनट 48 सेकंड के आंख मिचौली के इस ट्रेलर को देखने के बाद आपको वाकई मजा आने वाला है। मृणाल ठाकुर इस मूवी में पारो का किरदार कर रही है, जिसे शाम होने के बाद दिखाई देना बंद हो जाता है। इसके अलावा परेश रावल, अभिषेक बनर्जी, दिव्या दत्ता, शरमन जोशी और अभिमन्यु दसानी जैसे कलाकार भी इस ट्रेलर में अपनी-अपनी भूमिकाओं के साथ दर्शकों का ध्यान खींचते हुए नजर आ रहे हैं।

कॉमेडी का ओवरडोज आंख मिचौली के इस ट्रेलर में आपको भरपूर तरीके से देखने को मिल जाएगा। यही वो वजह से जिसके चलते आंख मिचौली का ट्रेलर फैंस को काफी पसंद आ रहा है।

ढूंढते रह जाओगे, ऑल इज वेल और ओह मॉय गॉड जैसी शानदार फिल्मों का निर्देशन करने वाले डायरेक्टर उमेश शुक्ला ने आंख मिचौली के डायरेक्शन की जिम्मेदारी अपने कंधों पर फिल्मों पर ली है। ट्रेलर सामने आने के बाद हर कोई आंख मिचौली का बेसब्री से इंतजार कर रहा है।

सलमान खान की टाइगर 3 का धमाकेदार टीजर हुआ रिलीज

सलमान खान और कैटरीना कैफ स्टारर फिल्म 'टाइगर 3' का फैंस बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। वहीं फैंस का ये इंतजार खत्म होने की घडियां भी नजदीक आ गई हैं। दरअसल फिल्म इस दिवाली बड़े पर पर रिलीज हो जाएगी। इस बीच फैंस की एक्साइटमेंट को और बढ़ाने के लिए मेकर्स ने 'टाइगर 3' का धांसू टीजर भी रिलीज कर दिया है। 'टाइगर 3' का टीजर रौंगटे खड़े कर देने वाला है। टीजर से ये अंदाजा हो गया है कि सलमान खान की ये फिल्म कितनी दमदार है।

'टाइगर 3' के टीजर में एक बार फिर कैटरीना और सलमान खान को स्क्रीन शेयर करते देख फैंस की खुशा का ठिकाना नहीं है। इससे पहले ये जोड़ी टाइगर फ्रेंचाइजी की प्रीक्वल में भी नजर आई थीं। टीजर की शुरुआत सलमान खान की दमदार आवाज से होती है। सलमान खान कहते है मेरा नाम अविनाश सिंह राठौड़ है। पर आप सबके लिए मैं टाइगर हूं। इसके साथ ही सलमान खान का दमदार लुक रिवील होता है। टीजर में आगे अविनाश सिंह राठौड़ यानी सलमान खान कहते हैं 20 साल अपना सबकुछ इंडिया की हिफाजत में लगा दिया। बदले में कुछ नहीं मांगा पर आज मांग रहा हूं। आज आप सबको ये बताया जा रहा है कि टाइगर आपका दुश्मन है। टाइगर गद्दार है। टाइगर दुश्मन नंबर वन है तो 20 साल की इंडिया की सर्विस के बाद मैं अपना कैरेक्टर सर्टिफिकेट मांग रहा हूं।मेरे बेटे को मैं नहीं इंडिया बोलेगा कि उसका बाप क्या था। गद्दार या देशभक्त॥जिंदा रहा तो आपकी खिदमत में फिर हाजिर नहीं तो जयहिंद॥।1मिनट 43 सेकंड का टीजर वाकई रौंगटे खड़े कर देता है।

वहीं 'टाइगर 3' के टीजर रिलीज से पहले सलमान खान ने मंगलवार रात अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर अपनी एक तस्वीर के साथ 'टाइगर 3' को लेकर पोस्ट किया है। तस्वीर में सलमान खान की सिर्फ आंख नजर आ रही है और उस पर लिखा है टाइगर का मैसेज कल होगा आउट। वहीं तस्वीर को पोस्ट करते हुए सलमान खान ने कैप्शन में लिखा है, एक मैसेज देता हूं॥कल, टाइगर का मैसेज कल 11 बजे सुबह।'टाइगर 3' दिवाली पर हिंदी, तमिल और तेलुगू में सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

'टाइगर 3' की स्टार कास्ट की बात करें तो फिल्म में सलमान खान और कैटरीना कैफ के अलावा इमरान हाशमी भी दमदार एक्टिंग करते नजर आएंगे। इरमान इस फिल्म में विलेन का किरदार निभाते दिखेंगे, फिलहाल फैंस फिल्म की रिलीज का इंतजार नहीं कर पा रहे हैं।

फिल्म में सलमान खान को एजेंट टाइगर के रूप में एक जरूरी मैसेज देते हुए दिखाया जाएगा। सलमान खान वाईआरएफ स्पाई यूनिवर्स के ओजी हैं और उन्होंने इस फ्रेंचाइजी को बड़ा बनाने में अहम रोल प्ले किया है। यह वाईआरएफ स्पाई यूनिवर्स की पांचवीं फिल्म है। ऑडियंस अब इस यूनिवर्स के तीन सुपर-जासूसों की लाइफ स्टोरी के बारे में जानने के लिए भी बेहद एक्साइटेड हैं! तो, टाइगर 3, टाइगर जिंदा है, वॉर और पठान की घटनाओं को फॉलो करती है और एक शानदार एक्शन एंटरटेनर फिल्म होने का भी वादा करती है जिसे लोगों ने पहले स्क्रीन पर नहीं देखा है!

भारत में आक्रामक प्रजातियों द्वारा उत्पन्न चुनौतियाँ: कानूनों और नीतियों को एकीकृत करते हुए एक व्यापक दृष्टिकोण

चंद्र प्रकाश गोयल

वन महानिदेशक और विशेष सचिव, पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय, भारत सरकार

भारत अद्वितीय और अमूल्य वनस्पतियों व जीवों से भरपूर विविध पारिस्थितिकी तंत्र की भूमि है। लेकिन, यह समृद्ध जैव विविधता आक्रामक प्रजातियों के रूप में बढ़ते खतरे का सामना कर रही है और यह खतरा स्थलीय और जलीय दोनों वातावरणों में मौजूद है। ये विदेशी प्रजातियां अक्सर व्यापार या मानवीय गतिविधियों के माध्यम से यहाँ पहुंचतीं हैं; उन्हीं संसाधनों का उपयोग करतीं हैं, जो स्वदेशी प्रजातियों के लिए हैं; नाजुक पारिस्थितिक संतुलन को बाधित करतीं हैं और गंभीर आर्थिक तथा पर्यावरणीय खतरे पेश करतीं हैं। हालाँकि भारत सरकार ने आक्रामक प्रजातियों से निपटने के लिए सक्रियता के साथ विभिन्न उपाय शुरू किए हैं, लेकिन उनके प्रभावी प्रबंधन में कई बाधाएँ मौजूद हैं। इन बाधाओं में व्यापक कानूनी व्यवस्था का अभाव, अपर्याप्त जन-जागरूकता तथा आपसी समन्वय एवं अनुसंधान और जोखिम मूल्यांकन की कमी शामिल हैं। समय की मांग है कि आक्रामक प्रजातियों के प्रबंधन के लिए एक समग्र दृष्टिकोण अपनाया जाए, ताकि इन चुनौतियों का मुकाबला किया जा सके और भारत की प्राकृतिक विरासत की रक्षा की जा सके। इस दृष्टिकोण में निम्नलिखित महत्वपूर्ण घटक शामिल किये जाने चाहिए।

कानून और नीति: आक्रामक प्रजातियों के प्रबंधन के लिए एक व्यापक कानूनी संरचना की आवश्यकता है, ताकि एक स्पष्ट और एकीकृत रणनीति तैयार की जा सके। इस व्यवस्था में रोकथाम और नियंत्रण से लेकर पुनर्स्थापना और जन-जागरूकता से जुड़े सभी मुद्दों को शामिल किया जाना चाहिए।

रोकथाम: आक्रामक प्रजातियों के यहाँ जड़ जमाने और इनके प्रसार को रोकने के लिए प्रारंभिक पहचान और त्वरित जवाबी कार्रवाई (ईडीआरआर) व्यवस्था को विस्तार देना महत्वपूर्ण है। नयी आक्रामक प्रजातियों के प्रवेश को रोकने के लिए बंदरगाहों और सीमाओं पर कठोर संगरोध उपाय और निरीक्षण नियम अपरिहार्य हैं।

नियंत्रण: एक बार जब आक्रामक प्रजातियाँ अपनी जड़ें जमा लेती हैं, तो उनकी आबादी और उनके प्रभावों को कम करने के लिए प्रभावी नियंत्रण उपाय आवश्यक हो जाते हैं। इन उपायों में प्रजातियों का उन्मूलन, रासायनिक उपचार तथा जैविक नियंत्रण विधियाँ शामिल की जा सकतीं हैं।

पुनर्स्थापना: आक्रामक प्रजातियों के सफल नियंत्रण के बाद, प्रभावित पारिस्थितिकी तंत्र को पुनर्स्थापित करने के लिए ठोस प्रयास किए जाने चाहिए। इसमें स्वदेशी वनस्पतियों की पुनर्स्थापना, देशी प्रजातियों का फिर से रोपण और पारितंत्र गुणवत्ता में वृद्धि शामिल हो सकती है।

जन-जागरूकता और शिक्षा: समुदायों को आक्रामक प्रजातियों से उत्पन्न खतरों तथा निवारक और नियंत्रण उपायों के महत्व के प्रति संवेदनशील बनाया जाना चाहिए। इसे हासिल करने के लिए जन जागरूकता अभियान, स्कूलों में शैक्षिक पहल और अन्य आउटरीच कार्यक्रमों की आवश्यकता है। अंतर्राष्ट्रीय सहयोग: आक्रामक प्रजातियों की सीमा-पार प्रकृति को देखते हुए, अंतर्राष्ट्रीय सहयोग बहुत महत्वपूर्ण है। भारत वैश्विक सहयोग और समझौतों में सक्रियता से भाग लेता है, जिनसे ज्ञान और सर्वोत्तम तौर-तरीकों के आदान-प्रदान एवं क्षेत्रीय तथा वैश्विक समाधानों के विकास में सुविधा मिलती है। आक्रामक प्रजाति प्रबंधन के लिए भारत के कानून और नीतियां: जैविक विविधता अधिनियम, 2002 वन्यजीव (संरक्षण) अधिनियम, 1972 पर्यावरण संरक्षण अधिनियम, 1986 विनाशकारी कीड़े और कीट अधिनियम, 1914 (संशोधन सहित) पादप संगरोध (भारत में आयात का विनियमन) आदेश, 2003 पशुधन आयात अधिनियम, 1898 (पशुधन आयात (संशोधन) अध्यादेश, 2001 सहित) राष्ट्रीय समुद्री कृषि नीति इन कानूनों और विनियमों में आक्रामक प्रजातियों के नियंत्रण और प्रबंधन के विविध पहलू शामिल हैं। इन पहलुओं में प्रजातियों की शुरुआत और प्रसार की रोकथाम, जड़ जमा चुकीं आक्रामक प्रजातियों का नियंत्रण, पारिस्थितिकी तंत्र की पुनर्स्थापना और जन-जागरूकता अभियान आदि शामिल हैं। तथापि, आक्रामक प्रजातियों के प्रबंधन के लिए समर्पित व व्यापक कानूनी व्यवस्था की अनिवार्य आवश्यकता मौजूद है। इस तरह की व्यवस्था; रोकथाम और नियंत्रण से लेकर पुनर्स्थापना और सार्वजनिक शिक्षा तक के मुद्दों के सभी पहलुओं का समाधान करते हुए एक सुसंगत और एकीकृत रणनीति प्रदान करेगी। स्थलीय और जलीय आक्रामक प्रजातियों को शामिल करने और समस्या के मानवीय आयाम को महत्त्व देने पर आधारित एक समग्र दृष्टिकोण अपनाया जाना चाहिए। कानूनी और नीतिगत व्यवस्था को मजबूत करते हुए, भारत अपनी प्राकृतिक विरासत की रक्षा कर सकता है। ऐसा करने पर, देश आक्रामक प्रजातियों से उत्पन्न पारिस्थितिक और आर्थिक खतरों को प्रभावी ढंग से कम कर सकता है।

कई पार्टियां एक साथ चुनाव के लिए तैयार

पूरे देश में एक साथ चुनाव कराने के मसले पर विचार के लिए बनी पूर्व राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद की अध्यक्षता वाली कमेटी ने अपनी पहली बैठक में तय किया कि कमेटी देश की सभी पंजीकृत पार्टियों से राय लेगी और साथ ही विधि आयोग से भी इस बारे में राय मांगेगी। चुनाव आयोग को भी पूरी प्रक्रिया में शामिल किया जाएगा। अब सवाल है कि क्या पार्टियां पूरे देश में एक साथ चुनाव के लिए राजी होंगी? देश की सबसे बड़ी विपक्षी पार्टी कांग्रेस ने पहले ही इससे इनकार कर दिया है। कांग्रेस और उसकी कई सहयोगी पार्टियां इस आइडिया को संघवाद की धारणा के खिलाफ बता रही हैं।

लेकिन दूसरी ओर देश की सबसे बड़ी पार्टी भाजपा इसके समर्थन में हैं। भाजपा नेता खुल कर इसकी तरफदारी कर रहे हैं। उसकी कुछ सहयोगी पार्टियां भी इसके पक्ष में हैं। लेकिन सबसे बड़ी बात यह है कि जो पार्टियां तटस्थ रहने का दावा करती हैं उनमें से कई पार्टियां ऐसी हैं, जो एक साथ चुनाव के विचार से सहमत हैं। इनमें दक्षिण भारत की दो पार्टियां भी शामिल हैं। आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री जगन मोहन रेड्डी की वाईएसआर कांग्रेस पार्टी एकसाथ चुनाव के लिए तैयार है और ओडिशा के मुख्यमंत्री नवीन पटनायक की बीजू जनता दल भी एक देश, एक चुनाव के लिए तैयार है। संयोग से इन दोनों राज्यों में पहले से ही लोकसभा के साथ चुनाव होता है। लेकिन योजना के तहत अपना चुनाव लोकसभा से पहले कराने वाले के चंद्रशेखर राव की पार्टी बीआरएस भी साथ चुनाव के आइडिया से सहमत है।(आरएनएस)

सू- दोकू क्र.065

	2			6			1	
3			4			2		
							6	
6					4			
	9		5			6		1
4		3			9			2
	8		2				7	
1		2		4		9		6

नियम

1. कुल 81 वर्ग है,जिसमें 9वर्गो का एक खंड बनता है।
2. हर खाली वर्ग में 1से 9 के बीच का कोई एक अंक र सकते है।
3. बाएं से दाएं और उपर से नीचे के प्रत्येक कालम,कतार और खंड में 1से9अंक में से किसी भी अंक का इस्तेमाल एक बार ही कर सकते है।

सू-दोकू क्र. 64 का हल

8	7	6	9	5	1	2	3	4
1	3	9	2	8	4	5	6	7
4	5	2	3	7	6	9	1	8
2	8	5	4	6	7	1	9	3
3	1	7	8	9	2	4	5	6
6	9	4	1	3	5	7	8	2
9	4	1	6	2	8	3	7	5
7	2	8	5	1	3	6	4	9
5	6	3	7	4	9	8	2	1

रिश्ते के कगार पर सऊदी और इजराइल

श्रुति

हमारी दुनिया बदल रही है। देशों में आपसी रिश्तों का स्वरुप बदल रहा है। पुराने कूटनीतिक और रणनीतिक गठबंधन बिखर रहे हैं और नए बन रहे हैं। जिन गठबंधनों के बारे में एक समय सोचा भी नहीं जा सकता था, वे सच होने जा रहे हैं। अमेरिका, सऊदी अरब और इजराइल का एक साथ आना एक नए अध्याय की शुरूआत है। सऊदी अरब के युवराज एमबीएस, जो वहां के वास्तविक शासक हैं, ने २० सितंबर को दिए एक टीवी साक्षात्कार (जो वे बहुत कम देते हैं) में मुस्कराते हुए यह स्वीकार किया कि वे एक समझौते के बहुत करीब हैं।''हर दिन हम और नजदीक जा रहे हैं। ऐसा लगता है कि पहली बार असल में, सच में यह होने का रहा है और हम इसे लेकर गंभीर हैं।उन्होंने कहा कि यदि समझौता होता है तो वह शीतयुद्ध के बाद की सबसे ऐतिहासिक संधि होगी। 22 सितंबर को इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने इस बात की पुष्टि की कि तीनों देश समझौते के बहुत करीब हैं। और ''यह एक बहुत बड़ा कदम होगा।

एमबीएस सन् २०17 में शासन संभालने के बाद से ही इजराइल से रिश्ते सुधारने में रूचि ले रहे हैं। वे अमरीका के साथ सुरक्षा संधि करने और साथ ही असैन्य परमाणु क्षमताएं हासिल करने के लिए उत्सुक हैं। इसके अलावा वे सन् २०18 में जमाल ख़ाशोज्जी की हत्या के बाद से अमरीका की नजरों में बिगड़ी अपनी छवि भी सुधारना चाहते हैं। अमेरिका, और विशेषकर जो बाइडन प्रशासन, इस समझौते तक पहुंचने में महत्वपूर्ण भूमिका अदा कर रहा है। वह इसे अपनी विदेश नीति की एक बड़ी सफलता के रूप में पेश करेगा। साथ ही वह दुनिया के उस इलाके में नए समझौतों के द्वार खोलकर अरब प्रायद्वीप में चीन के बढ़ते प्रभाव को काबू करना चाहता है।

जहां तक नेतन्याहू का सवाल है, सऊदी अरब के साथ समझौता उनके देश के लिए एक नया मोड़ होगा जिससे इजराइल के लिए अफ्रीका से लेकर एशिया तक आर्थिक एवं कूटनीतिक समझौतों की राह खुलेगी जो अब तक इजराइल की पहुंच से दूर थे। इससे उनकी छवि एक उत्कृष्ट राजनेता की बन सकती है, विशेषकर ऐसे समय में जब सबका ध्यान उनकी सरकार की न्यायपालिका संबंधी विवादास्पद नीतियों पर है।

यद्यपि यह सब कागज पर बहुत शानदार नजर आता है और दुनिया की दृष्टि से है भी लेकिन इनमें से हर देश में इसके हर पहलू को लेकर स्वीकार्यता नहीं है और इसे चुनौती दी जा रही है। एमबीएस भले ही बीबी से हाथ मिलाने और उनके गले मिलने के लिए उत्सुक होंगे लेकिन फिलिस्तीन के मसले के कारण सऊदी अरब के ज्यादातर लोग इजराइल के साथ किसी भी तरह के संबंध रखने के पक्ष में नहीं हैं। यही वजह है कि सऊदी युवराज ने अपने साक्षात्कार में बार-बार फिलिस्तीनी इलाके पर इजरायली सेना के कब्जे का जिक्र किया। उन्होंने जोर देकर कहा कि ''हमारे लिए फिलिस्तीन का मामला बहुत महत्वपूर्ण है। उसका हल होना भी जरूरी है। इसी कारण सऊदियों और फिलिस्तीनियों के बीच सामानांतर चर्चा तेज हो गई है।

अक्टूबर में एक आधिकारिक फिलिस्तीनी प्रतिनिधिमंडल रियाद पहुंचने वाला है। और यदि एमबीएस फिलिस्तीनियों की मांगों का आंशिक समर्थन भी करते हैं तो नेतन्याहू के सत्ताधारी गठबंधन के कुछ सदस्य उनका साथ छोड़ सकते हैं जिससे सत्ता पर उनकी पकड़ कमजोर हो सकती है। बाइडन के लिए भी समझौते का समर्थन करने के मिले-जुले परिणाम होंगे। उनकी पार्टी के सदस्यों को चिंता है कि इससे सऊदी एटॉमिक प्रोग्राम का रास्ता खुलेगा। जहां तक रिपब्लिकनों का सवाल है, वे हर उस चीज में अड़ंगा डालेंगे जिसका प्रस्ताव बाइडन प्रशासन करेगा।

समय निकलता जा रहा है, खासकर बाइडन और इस नए गठबंधन के लिए जो सार्वजनिक किए जाने की कगार पर है। नेतन्याहू ठीक कह रहे हैं कि ''अगर अगले कुछ महीनों में कुछ हासिल न हो सका तो यह मुद्दा अगले कुछ सालों के लिए टल जाएगा।

निर्माण सामग्री देने के नाम पर ठगे डेढ लाख रूपये

संवाददाता

देहरादून। ठेकेदार को निर्माण सामग्री देने के नाम पर डेढ लाख रूपये ठगने के मामले में न्यायालय के आदेश पर पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

प्राप्त जानकारी के अनुसार विजय पार्क निवासी अमित कुमार शर्मा ने न्यायालय में प्रार्थना पत्र देते हुए बताया कि वह ठेकेदारी का व्यवसाय करता है। उसका कार्य दिसम्बर 2021 में ऋषिकेश में चल रहा था, जिस कार्य हेतु उसको निर्माण सामग्री की आवश्यकता भी पड़ रही थी. जिसके परिपेक्ष्य में उसका सम्पर्क अरविन्द सिंह से हुआ जो कि मैसर्स सत्यभामा इन्टरप्राईजेज अनपरा सोनभद्र के नाम से ऋषिकेश में निर्माण समाग्री सीमेन्ट सप्लाई का कार्य करते थे, उसके द्वारा उनसे सीमेन्ट की दरें तय की गयी तथा 500 बैग सीमेन्ट हेतु एक लाख पचास हजार रूपये उनके खाते इण्डोसेण्ड बैंक, ब्रांच जाखन, देहरादून से स्थानान्तरित कर दिये गये। उन्हे आश्वासन दिया कि उसकी सामग्री नियत समय पर पहुंच जायेगी। अरविन्द सिंह द्वारा निर्गत टैक्स इनवाईस में अपनी फर्म का जो जी.एस.टी. नम्बर व बिल दोनो ही नकली अंकित किया गया है वह भी फर्जी है, तथा उनके द्वारा कूटरचित बिल के आधार पर उससे एक लाख पचास हजार रूपये हडपे है वह भी बिना उसको निर्माण सामग्री उपलब्ध कराये सीमेन्ट ससमय पर उपलब्ध न होने की दशा में साइड पर उसकी लेबर खाली रही और उसको उनकी मजदूरी का भुगतान भी लगभग करना पड़ा जिससे विवश होकर उसने दूसरी फर्म से सीगेन्ट खरीदकर अपना कार्य पूर्ण करना पड़ा और उसके द्वारा उनसे पैसे वापस मांगने पर अरविन्द द्वारा पैसा भी वापस नहीं किया गया साथ ही उसका फोन उठाना भी बन्द कर दिया। अरविन्द सिंह द्वारा उसके साथ धोखाधडी कर पैसे हडप लिये हैं। न्यायालय के आदेश पर बसंत विहार थाना पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

वृक्षमित्र डॉ सोनी ने खड़कसारी स्कूल में रोपे पौधे

टिहरी। पर्यावरणविद् वृक्षमित्र डा. त्रिलोक चंद्र सोनी ने राजकीय प्राथमिक विद्यालय खडकसारी में बोटलब्रास के पौधा का रोपण किया। आज यहां जौनपुर के नैनबाग ललूट पट्टी बिष्टोंसी जिला पंचायत सदस्य के उप चुनाव में बतौर पीठासीन अधिकारी पहुंचे पर्यावरणविद् वृक्षमित्र डॉ त्रिलोक चंद्र सोनी ने राजकीय प्राथमिक विद्यालय खड़कसारी परिसर में अपने टीम के साथ बोटलब्रास के पौधा का रोपण किया। वृक्षमित्र डॉ सोनी ने कहा इस विद्यालय में जिला पंचायत सदस्य के उप चुनाव संपन्न कराने के लिए उनको पीठासीन अधिकारी का दायित्व सौंपा गया है। वहं जहां भी जाता हैं चाहे चुनाव हो या कोई अन्य कार्य वहां लगाने व उपहार में देने के लिए स्वयं अपने खर्चे से पौधों को ले जाता हैं। यहां भी उन्होंने वही किया जो वहं हर चुनाव में करते आ रहा हैं। उनका चुनावी ड्यूटी का सफर 1999 से शुरु हुआ और द्वितीय, प्रथम अब पीठासीन अधिकारी के दायित्यों का निर्वाहन करतें हैं। निर्वाचन अधिकारी ने जो बूथ उनको दिया वहां पर पौधों का रोपण उन्होंने किया। यहां भी उन्होंने अपने मतदान पार्टी के साथ पौधों का रोपण किया और स्कूल के प्रधानाध्यापिका स्वाति मेंदोलिया को एक पौधा उपहार में भेंट किया। स्वाति मेंदोलिया ने कहा अपने जीवन में उन्होंने पहली बार किसी पीठासीन अधिकारी को देखा होगा जो अपने साथ पौधे लाकर अपने मतदान बूथ पर लगता हैं। डॉ सोनी ने उनके विद्यालय परिसर में अपने मतदान पार्टी के साथ जिन पौधा का रोपण किया उनकी जीवित रखने की पूर्ण जिम्मेदारी वह लेती हैं और वृक्षमित्र के नाम से मशहूर डॉ सोनी को बधाई देती हैं उन्होंने उनके विद्यालय में पौधारोपण किया। पौधारोपण में अजय भंडारी प्रथम मतदान अधिकारी, अतुलमणि त्रिपाठी द्वितीय मतदान अधिकारी, आशीष भंडारी तृतीय मतदान अधिकारी, अंकुर पुलिस कर्मी, विनोद लाल होमगार्ड, विपिन रावत, महिपाल सिंह, झबर सिंह, राजीव असवाल आदि थे।

अवैध हथियारों का बड़ा नेटवर्क ध्वस्त.... ◀◀ पृष्ठ 1 का शेष

एसएसपी एसटीएफ आयुष अग्रवाल द्वारा बताया गया कि पकड़ा गया आर्म्स डीलर वचन सिंह कई वर्षों से अवैध हथियारों धन्धे में लिप्त था उसके ऊपर वर्ष 2018 में थाना केलाखेड़ा में हथियारों की फैक्ट्री चलाने का मुकदमा दर्ज है। यह वैपन सप्लायर होने के साथ-साथ हथियारों का कारीगर भी है। हमारी टीम पिछले कई दिनों से हथियारों के इस नेटवर्क पर काम कर रही थी कल शाम टीम ने एक सूचना के आधार पर लोकल पुलिस की मदद से वचन सिंह को गिरफ्तार कर उसके पास से भारी मात्रा मे तमंचे व अन्य हथियार बरामद किये गये है। बहरहाल एसटीएफ द्वारा आरोपी वचन सिंह के खिलाफ सम्बन्धित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर उसे न्यायालय में पेश कर जेल भेज दिया है।

उत्तराखंड में उत्पादित 'श्रीअन्न' फसलों की लगाई प्रदर्शनी

कार्यालय संवाददाता

नरेन्द्रनगर। औषधीय गुणों से भरपूर फसलों और परंपरागत भोजन की प्रदर्शनी लगाकर 'गढ़भोज दिवस' को मनाया गया। बताते चले कि उच्च आदेशों के क्रम में आज धर्मानंद उनियाल राजकीय महाविद्यालय के बीएससी गृह विज्ञान विभाग ने उत्तराखंड में उत्पादित फसलों 'श्रीअन्न' की प्रदर्शनी लगाई। प्रशासनिक भवन के प्रथम तल पर आयोजित दैवीय अनाजों की इस प्रदर्शनी को कॉलेज छात्रों, प्राध्यापकों और कर्मचारियों ने देखा और इसके बारे में जानकारी हासिल की।

श्रीअन्न की इस प्रदर्शनी का उद्घाटन करते हुए कालेज प्राचार्य प्रो राजेश कुमार उभान ने कहा कि हिमालय की दिव्य आबोहवा में उत्पन्न फसलें स्वत::ही औषधीय गुणों से भरपूर होती है,हमें अपने खान-पान में इन खाद्यान्नों से निर्मित भोजन का अधिक से अधिक उपयोग करना चाहिए।

प्रदर्शनी में उत्तराखंड में उत्पन्न मसाला प्रजाति की फसलों के बीज जैसे जाखिया, अदरक ,भांग दाना, अनाज प्रजाति में मंडुवा,झंगोरा कुटकी वहीं दाल वाली फसलों में लोबिया, नौरंगी दाल, राजमा, कालेभट्ट, मिक्स राजमा, आदि विभिन्न फसल बीजों का संग्रह कर प्रदर्शित किया गया। उत्तराखंड की पारंपरिक व्यंजनों में चुलु पापड़, चुलु चटनी, गहत का फाणू,भट्ट की चुटकानी, झंगोरे का भात, मंडवे की रोटी, गहत की पटूनी, गेहूं का रोटना, अरसे ,मडवे की बर्फी, झंगोरे की खीर ,उड़द दाल की पकौड़ी, अलसी के लड्डू ,पिसा हुआ नमक, पहाड़ी ककड़ी आदि व्यंजनों को आकर्षक तरीके से बनाकर पारदर्शी पैकिंग के साथ प्रदर्शित किया गया ।

विभाग प्रभारी डॉक्टर सोनी तिलारा, प्रदर्शनी प्रदर्शक मीना चौहान तथा भागेश्वरी ने इन सभी औषधीय फसलों के बारे में प्रदर्शनी देखने वालों को जानकारी दी । प्रदर्शनी देखने वालों में भी उत्तराखंड की फसलों तथा इनसे निर्मित भोजन के बारे में जानकारी प्राप्त करने की उत्सुकता दिखी।

इस अवसर पर नियो विजन फाउंडेशन के संस्थापक गजेंद्र रमोला ,नेचर कनेक्ट आउटडोर प्राइवेट लिमिटेड के अजय कंडारी, विंटर लाइन रिसोर्ट के सुरेंद्र भंडारी कॉलेज मीडिया टीम के डॉ विक्रम सिंह बर्त्वाल,विशाल त्यागी, जितेंद्र नौटियाल ,छात्र-छात्राएं, प्राध्यापक एवं कर्मचारी विशेष रूप से प्रदर्शनी देखने वालों में सम्मिलित रहे।

लाखों का सोना लेकर कारीगर फरार

देहरादून (सं)। लाखों का सोना लेकर कारीगर फरार हो गये। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी। प्राप्त जानकारी के अनुसार तिलक रोड निवासी मिराज मुल्ला ने कोतवाली में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि वह सुनार का कार्य करता आ रहा है। उसकी दुकान गणपति मार्किट धामावाला बाजार, देहरादून में है। उसके पास दो कारीगर शेख मौजम्मेल व शेख आजाद काम करते थे दोनों ग्राम छोटा खापुर थाना धोनेखली जिला हुगली पश्चिम बंगाल के निवासी है। वहं अपने इन कारीगरों को ज्वैलरी बनाने के लिए कच्चा सोना देता था जो इन्ही के कब्जे में रहता था इस सोने की ज्वैलरी बना के ये उसको वापस करते थे। 26 सितम्बर 2023 को ये दोनों उसके दिये सोने को बिना उसको लौटाये चले गये और आज तक वापस नहीं आये।

महिला को सम्मोहित कर हाथ के कंगन ठग लिये

संवाददाता

देहरादून। महिला को सम्मोहित कर हाथ के कंगन ठगने के मामले में पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

प्राप्त जानकारी के अनुसार नामदेव एन्क्लेव माजरा निवासी श्रीमती हरविन्द्र कौर ने कोतवाली में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि वह अपने काम से घण्टाघर पल्टन बाजार आई थी कि दोपहर 11-12 बजे लगभग उसको दो लड़के घण्टाघर के पास मिले ओर उससे बातचीत करने लगे ओर उसको अपनी बातो मे लगाकर चकराता रोड मजार वाली गली की तरफ लेकर गये ओर दोनो ने उससे अपनी मीठी-मीठी बातों में उलझाये ओर उसके हाथ में पहने हुई दोनो सोने के कांगन धोखा देकर उससे उतार लिये ओर उसके बाद थोडी देरे मे आने का बाहना बनकर मौके से चले गये थे, काफी देर तक दोनो लडके वापस नही आये वह उन दोनो लड़को को घण्टाघर चकराता रोड पर अब तक आते जाते देख रही थी परन्तु वह लोग उसको कही दिखाई नही दिये। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

दिल्ली की स्पेशल सेल द्वारा दून में सील की गयी दुकान से सामान गायब

संवाददाता

देहरादून। दिल्ली की स्पेशल सेल ने 2018 में क्रिप्टोकरेंसी का मामला पकडा था। जिसमें दून में सील की गयी दुकान से लाखों का सामान गायब हो गया। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

प्राप्त जानकारी के अनुसार दिल्ली स्पेशल सेल कें निरीक्षक. सतीश कुमार ने क्लेमनटाउन थाने में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि वह वर्तमान में आईएफएसओ, स्पेशल सेल, नई दिल्ली में तैनात हैं। आज वह एचसी राजेश और एफएसएल रोहिणी, नई दिल्ली के विशेषज्ञों की टीम के साथ सहारनपुर रोड, दूसरी मंजिल, एमडीडीए कार्यालय के पास, देहरादून, उत्तराखंड में घटनास्थल की जांच के लिए आया था। मामले में अपराध की एफआईआर स्पेशल सेल, नई दिल्ली प्रकरण का तथ्य यह है कि 23.अप्रैल 2018 को प्रवेश जैन की शिकायत पर प्रकरण पंजीबद्ध कर जांच में लिया गया। जांच के दौरान आरोपी कमल कुमार और अन्य को गिरफ्तार कर लिया गया और उनके कहने पर तत्कालीन आईओ इंस्पेक्टर जगदीश ने उक्त परिसर को सीज कर दिया क्योंकि वहां इथेरियम खनन सामग्री (क्रिप्टोकरेंसी) सामान लगे हुए थे। परिसर के अंदर मौजूद सामान दिल्ली ले जाया नहीं जा सकता था, इसलिए परिसर को वैसे ही सील कर ताला लगा दिया गया था।

अब सुश्री स्निग्धा सरवरिया, सीएमएम, पटियाला हाउस कोर्ट की अदालत ने 04 जुलाई 23 को एफएसएल रोहिणी द्वारा अपराध स्थल की जांच करने और तदनुसार उक्त परिसर को डी सील करने का आदेश दिया। इसलिए, आज वह स्टाफ और एफएसएल स्टाफ के साथ उपरोक्त परिसर में आया और जांच के उद्देश्य से परिसर को सील करना शुरू कर दिया। जब वह उक्त परिसर में पहुंचे तो शटर पर दोनों ताले मौजूद थे और सील बरकरार थी। हालांकि शटर का ऊपरी हिस्सा क्षतिग्रस्त हो गया। तस्वीरें बाहर से ली गईं. इसके बाद एफएसएल से जांच के लिए दोनों ताले की सील तोड़ दी गयी. ताला तोड़ने के बाद जब शटर खोला गया तो मुख्य दरवाजे का शीशा टूटा हुआ मिला। इसके बाद, उन्होंने परिसर के अंदर प्रवेश किया और देखा कि परिसर के अंदर कोई भी सामान मौजूद नहीं था। हालाँकि, सीलिंग के समय एथिरियम खनन लेख/सामग्री मौजूद थे (प्रीवियोस/प्रथम आईओ की रिपोर्ट के अनुसार)। अब, उक्त वस्तुएं/सामग्री उक्त परिसर के अंदर नहीं पाई गईं। परिसर में सिर्फ तार और इलेक्ट्रॉनिक सर्किट बोर्ड ही पड़े मिले। वे ठीक ढंग से नहीं थे. संपूर्ण इथेरियम खनन सामग्री/सामग्री चोरी पाई गई। आगे विश्लेषण करने पर, यह पाया गया कि उक्त परिसर की खिड़कियां टूटी हुई हैं और ऐसा प्रतीत होता है कि किसी ने परिसर में प्रवेश किया है और उक्त वस्तुओं/सामग्रियों को चुरा लिया है। सभी परिसरों की प्रत्येक कोण से तस्वीरें ली गईं। अब ऐसा प्रतीत हो रहा है कि कोई अज्ञात व्यक्ति उक्त सामान/सामग्री चोरी कर ले गया है। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

एक नजर

जीएसटी काउंसिल ने मोटे अनाज से बने भोजन पर की जीएसटी रेट में कटौती

नई दिल्ली। जीएसटी काउंसिल ने शनिवार को हुई अपनी 52वीं बैठक में मोटे अनाज से बने भोजन पर जीएसटी रेट को मौजूदा 18 प्रतिशत जीएसटी से घटाकर 5 प्रतिशत करने का फैसला किया। आपकी जानकारी के लिए बता दें कि जीएसटी काउंसिल की फिटमेंट कमेटी ने पहले मिलेट पाउडर पर टैक्स रेट घटाने की सिफारिश की थी। समिति ने मिलेट यानी मोटे अनाज से तैयार उपज पर कोई राहत देने से इनकार कर दिया था। मोटे अनाज से बने खानों पर जीएसटी रेट 18 फीसदी से घटाकर 5 फीसदी कर दी गई है। मोटा अनाज, जो अपने पोषण मूल्य और स्वास्थ्य लाभों के लिए जाना जाता है, ने भारत में हेल्थ के प्रति जागरूक उपभोक्ताओं के बीच लोकप्रियता हासिल की है। मोटे अनाज के आटे से बने खाद्य पदार्थों पर जीएसटी दर कम करने के पीछे सरकार का उद्देश्य इन पौष्टिक खाद्य पदार्थों तक आम लोगों की पहुंच को बढ़ाना है। मोटे अनाज पर टैक्स रेट घटाए जाने की संभावना पहले से ही जताई जा रही थी। 72 देशों द्वारा समर्थित भारत के प्रस्ताव पर रेस्पोंस देते हुए संयुक्त राष्ट्र महासभा ने वर्ष 2023 को अंतर्राष्ट्रीय बाजरा वर्ष (2023) घोषित किया। सरकार भी मिलेट को किसानों, पर्यावरण और उपभोक्ताओं के लिए अच्छी फसल बनाने के लिए श्मिशन मोडश पर काम कर रही है। जीएसटी काउंसिल हर कुछ महीनों में अपनी बैठक करती है।

अफगानिस्तान में महसूस किए गए भूकंप के झटके

काबुल। अफगानिस्तान के पश्चिमी हिस्से में शनिवार दोपहर भूकंप के झटके महसूस किए गए। बताया जा रहा है कि दोपहर करीब 12:11 बजे रिक्टर पैमाने पर 6.1 तीव्रता का भूकंप आया, इसके बाद 12:42 बजे 6.2 तीव्रता का भूकंप आया। भूकंपीय गतिविधि का केंद्र हेरात शहर से 40 किलोमीटर उत्तर पश्चिम में पहचाना गया है। यह जानकारी नेशनल सेंटर फॉर सिस्मोलॉजी ने साझा की है। अभी तक संपत्ति के नुकसान या किसी के घायल होने की कोई रिपोर्ट सामने नहीं आई है। आपको बता दें कि बीती तीन अक्टूबर को नेपाल में एक के बाद एक चार भूकंप आए, जिनमें सबसे तीव्र तीव्रता 6.2 थी। इसके झटके दिल्ली-एनसीआर समेत उत्तर भारत के कई हिस्सों में महसूस किए गए थे। सबसे शक्तिशाली भूकंप का केंद्र पश्चिम नेपाल के दिपायल जिले में, उत्तराखंड के तीर्थ नगरी जोशीमठ से 206 किमी दक्षिण पूर्व और उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ से 284 किमी उत्तर में स्थित था।

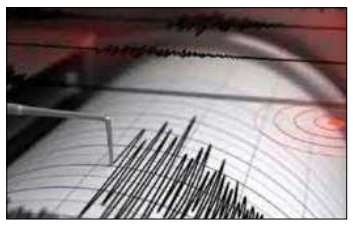

'मिशन रानीगंज' ने दूसरे दिन करीब 4 करोड़ का कलेक्शन किया

मुंबई। बॉलीवुड एक्टर अक्षय कुमार के लिए अब तक ये साल कुछ खास नहीं रहा है। उनकी कई फिल्में रिलीज हुईं लेकिन सिर्फ ओएमजी 2 ही लोगों को इंप्रेस करने में कामयाब साबित हो पाई। 6 अक्टूबर को अक्षय कुमार की मिशन रानीगंज रिलीज हो गई है। ये फिल्म सच्ची घटना पर आधारित है। फिल्म में अक्षय ने रियल लाइफ हीरो जसवंत गिल का किरदार निभाया है। वहीं फिल्म में उनके साथ परिणीति चोपड़ा नजर आईं हैं। परिणीति ने फिल्म में अक्षय की पत्नी का किरदार निभाया है। मिशन रानीगंज पहले दिन को कुछ खास कमाल दिखा नहीं पाई है। हालांकि दूसरे दिन फिल्म ने अच्छी कमाई कर ली है। अक्षय कुमार की मिशन रानीगंज की शुरुआत बहुत ही सुस्त रही है। 55 करोड़ के बजट में बनीं इस फिल्म को अपना बजट भी पूरा करना मुश्किल लग रहा है। हालांकि फिल्म की कमाई वीकेंड पर बढ़ सकती है। अक्षय कुमार की फिल्म ने पहले दिन 2.8 करोड़ का कलेक्शन किया है। अब दूसरे दिन का अर्ली कलेक्शन सामने आ गया है। सैकनिल्क की रिपोर्ट के मुताबिक फिल्म ने दूसरे दिन करीब 4 करोड़ का कलेक्शन किया है। जिसके बाद टोटल कलेक्शन 6.80 करोड़ हो जाएगा। ये शुरुआती आंकड़े हैं। ये कल तब बढ़ भी सकते हैं। अक्षय कुमार की मिशन रानीगंज के साथ भूमि पेडनेकर की थैंकयू फॉर कमिंग और सनी देओल के छोटे बेटे राजवीर देओल की डेब्यू फिल्म दोनों रिलीज हुई है। भूमि और राजवीर दोनों की ही फिल्में कुछ कमाल नहीं दिखा पाईं हैं लेकिन फिर भी थोड़ा असर अक्षय की मिशन रानीगंज पर पड़ा है। मिशन रानीगंज की बात करें तो अक्षय और परिणीति के साथ फिल्म में कुमुद मिश्रा, पवन मल्होत्रा, रवि किशन अहम किरदार निभाते नजर आए हैं।

खाई में गिरी सूमो, एक की मौत दो घायल

हमारे संवाददाता

चमोली। जोशीमठ प्रखंड के हेलंग उर्गम भर्की मोटर मार्ग पर कल देर रात एक टाटा सूमो वाहन के खाई में गिर जाने से जहां चालक की मौके पर ही मौत हो गयी वहीं दो अन्य लोग गम्भीर रूप से घायल हुए है। सूचना मिलने पर पुलिस व एसडीआरएफ टीम द्वारा मौके पर पहुंच कर मृतक व घायलों को अस्पताल पहुंचाया जहां घायलो की हालत चिंताजनक देखते हुए उन्हे हायर सेन्टर रैफर कर दिया गया है।

जानकारी के अनुसार कल देर रात थाना जोशीमठ पुलिस को सूचना मिली कि एक टाटा सूमो वाहन भर्की मोटर मार्ग पर दुर्घटनाग्रस्त होकर खाई में जा गिरा है। सूचना पर कार्यवाही करते हुए पुलिस व एसडीआरएफ टीम ने मौके पर पहुंच कर पाया कि उक्त टाटा सूमो भर्की मोटर मार्ग पर सड़क से करीब 60 मीटर नीचे गहरी खाई में गिरा हुआ है। वाहन में चालक सहित 3 लोग सवार थे, जहां चालक की मौके पर ही मृत्यु हो गई है। 2 लोग घायल अवस्था में थे, जिन्हे उपचार हेतु हायर सेंटर रेफर कर दिया गया है।

मृतक का नाम रितेश पुत्र दिगंबर सिंह चौहान निवासी चाई गांव, जोशीमठ व घायलों के नाम जयदीप सिंह बिष्ट देवर खडोरा, और विक्रम सिंह बताये जा रहे है।

ढोल नगाड़ों के साथ एक शराब तस्कर को किया जिला बदर

हमारे संवाददाता

पौड़ी। अवैध शराब तस्करी में लिप्त एक आदतन अपराधी को पुलिस द्वारा गुण्डा एक्ट के तहत कार्यवाही करते हुए उसे ढोल नगाड़ों के साथ छह माह के लिए जिलाबदर कर दिया गया है।

कोतवाली श्रीनगर पुलिस द्वारा जिला मजिस्ट्रेट जनपद पौड़ी गढ़वाल के आदेश के अनुपालन में पौड़ी गढ़वाल में निवासरत योगेंद्र सिंह रावत पुत्र सोहन सिंह रावत, निवासी ग्राम श्रीकोट गंगानाली, थाना श्रीनगर के खिलाफ उ.प्र. गुंडा नियंत्रण अधिनियम -1970 की धारा 3 (क) की कार्यवाही करते हुए आरोपी को को छः माह के लिये जिला बदर (तड़ीपार) कर दिया गया है जो अब 6 माह तक जनपद पौड़ी में प्रवेश नहीं करेगा। योगेंद्र सिंह रावत जनपद में लगातार शराब की तस्करी में शामिल रहा है व इस पर आबकारी अधिनियम से सम्बन्धित कई मामले दर्ज है जिस कारण समाज में इसका बुरा असर हो रहा था।

उत्तराखण्ड में फिर महसूस किये गये भूकम्प के झटके

हमारे संवाददाता

देहरादून। उत्तराखंड में आज एक बार फिर भूकंप के झटके महसूस किये गये। पहाड़ी जनपदों में भूकंप के झटके महसूस होते ही लोग घरों से बाहर निकल आए और हड़कंप मच गया।

बताया जा रहा है कि दिन में करीब 11. 29 मिनट में भूकंप के हल्के झटके महसूस किए गए, तीव्रता कम होने की वजह से कुछ ही लोगों द्वारा यह झटके महसूस किये गये। फिलहाल भूकंप से किसी तरह के जान-माल की नुकसान की खबर नहीं है । भूकंप का केंद्र नेपाल बताया जा रहा है रिक्टर पैमाने पर भूकंप की तीव्रता 5.0 दर्ज की गई है।

बता दें कि उत्तराखंड में पिछले कुछ समय से लगातार भूकंप के झटके महसूस किए जा रहे हैं। हल्के झटकों से प्रदेश में कोई नुकसान तो नहीं हुआ, लेकिन वैज्ञानिक इसे बड़े भूकंप के आने की चेतावनी बता रहे हैं।

130 रुपये के विवाद में बुजुर्ग की हत्या

हमारे संवाददाता

उधमसिंहनगर। महज 130 रुपये के लेनदेन को लेकर हुए विवाद में एक बुजुर्ग की ईंट मारकर हत्या कर दी गयी। सूचना मिलने पर पुलिस ने मौके पर पहुंच कर शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भिजवा दिया। परिजनो की तहरीर पर पुलिस ने चार लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी गयी है।

मामला पुलभट्टा थाना क्षेत्र का है मिली जानकारी के अनुसार बरेली निवासी मो. रफीक (70) पुत्र मसूद की बेटी नथिया का निकाह सिरौलीकलां निवासी छोटन के साथ हुआ है। बताया जा रहा है कि बृहस्पतिवार को छोटन का पड़ोसियों से 130 रुपये के लेनदेन में विवाद हो गया था। इस दौरान मो. रफीक की बेटी नथिया और उसकी बहू भूरी को पड़ोसियों ने पीट दिया था। जिससे दोनों सास-बहू घायल हो गईं। परिजनों ने दोनों को रुद्रपुर के एक अस्पताल में भर्ती कराया।

मो. रफीक को शुक्रवार सुबह बेटी के घायल होने की सूचना मिली। उनका राजीनामा करवाने के लिए वह शाम करीब तीन बजे भोजीपुरा से सिरौली में बेटी के घर पहुंचे। बताया जा रहा है कि समझौता वार्ता के दौरान दूसरे पक्ष ने ईंट, पत्थर, डंडों से हमला कर दिया। इस दौरान कुल्हाड़ी के बेंट से मो. रफीक के सिर पर चोट लग गई और वे बेहोश होकर गिर पड़े तो रिश्तेदार उन्हें लेकर सीएचसी पहुंचे। यहां डॉक्टर ने मो. रफीक को मृत घोषित कर दिया। एसओ कमलेश भट्ट ने बताया कि 130 रुपये के लेनदेन को लेकर हुए विवाद में एक बुजुर्ग की ईंट मारकर हत्या कर दी गई है। मामले में परिजनों की तहरीर पर चार लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया गया है, जल्द ही आरोपियों को गिरफ्तार किया जाएगा। उन्होंने कहा कि आरोपियों की धरपकड़ के लिए टीमों द्वारा दबिश दी जा रही है।

पार्किंग में सो रहे युवक का पर्स चोरी

संवाददाता

देहरादून। पर्किंग में सो रहे युवक का पर्स चोरी होने के मामले में पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

प्राप्त जानकारी के अनुसार मंदाकिनी विहार निवासी अशोक कुमार यादव ने कोतवाली में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि 5-6 अक्टूबर 2023 की रात्री में राजीव गाँधी कम्पलेक्स मे सो रहा था। वह पार्किंग में काम करता है। रात्री में जब वह सौ रहा था तो एक व्यक्ति ने आकर उसके कमरे से उसकी जेब से पर्स व मोबाईल चोरी कर ले गये उसके पर्स मे आधार कार्ड व नगदी 1000 रूपये थे।

निर्माणाधीन मकान से शटरिंग शीट चोरी

संवाददाता

देहरादून। निर्माणाधीन मकान से शटरिंग शीट चोरी होने के मामले में पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी। प्राप्त जानकारी के अनुसार नथुवावाला निवासी रविन्दर डबराल ने रायपुर थाने में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि 24 सितम्बर 2023 को सुबह 4.00 बजे शमशेर गढ क्रासिंग निकट शिव प्रिया फार्म बालावाला देहरादून स्थित निर्माण स्थल से उसकी 24 शटरिंग शीट चोरी हो गई है। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

आर.एन.आई.- 59626/94

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक श्रीमती पुष्पा कांति कुमार द्वारा दिग्विजय सिनेमा बिल्डिंग घंटाघर, देहरादून से प्रकाशित तथा अवि प्रिंटर्स 21 ईसी रोड, देहरादून से मुद्रित।

प्रधान संपादक
कांति कुमार

संपादक
पुष्पा कांति कुमार

समाचार संपादक
आनंद कांति कुमार

कानूनी सलाहकारः
वी के अरोड़ा, *एडवोकेट*
बैजनाथ, *एडवोकेट*

कार्यालयः दिग्विजय सिनेमा बिल्डिंग देहरादून।
मो. 9358134808

नोटः सभी विवादों के लिये देहरादून न्यायालय ही मान्य होगा, प्रकाशित सामग्री के लिए प्रिंटर्स की कोई जिम्मेदारी नहीं होगी।